राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, शुक्रवार, 02 मई 2025
वर्ष 14, अंक 23, पृष्ठ 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

फांसी के फंदे पर लटक कर शिक्षक की पत्नी ने किया सुसाइड घर में मचा कोहराम...03

जयशंकर का डिप्लोमैटिक एक्शन, UNSC के 7 अस्थायी सदस्य देशों से की बात, जानें कैसे फंसेगा पाकिस्तान...04

मुझे लगा मैं भी मारा जाऊंगा... इस परिवार ने बेहद करीब से देखी मौत, कान के पास ने निकली आतंकी की गोली

स्वतंत्र प्रभात

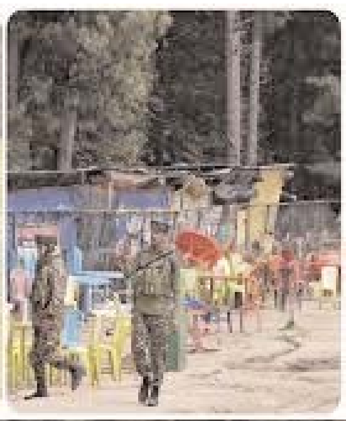

दुखद पहलगाम आतंकवादी हमले ने देश को ऐसा दर्द दे दिया जिसे चाहकर भी भुलाया नहीं जा सकता। इस हमले से जुड़ी कई कहानियां सामने आ चुकी है। जहां यूपी के शुभम द्विवेदी और लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की पत्नियों का इस बात का मलाल है कि वह अपने साथी को बचा नहीं पाई तो वहीं कुछ ऐसा भी हैं जिनको मौत बिल्कुल करीब से छूकर निकल गई। वह बार- बार भगवान का नई जिंदगी देने के लिए शुक्रिया अदा कर रहे हैं। कर्नाटक का एक परिवार भी इस हमले से बाल-बाल बच गया, उनके बच्चे की भूख ने उन्हें बचा लिया। कर्नाटक के एक दंपति अपने बेटे के साथ उन कई पर्यटकों में शामिल थे जो बैसरन घास के मैदान से सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे। प्रदीप हेगड़े, शुभा हेगड़े और उनका बेटा सिद्धांत 21 अप्रैल को छुट्टियां मनाने श्रीनगर पहुंचे। उनके कार्यक्रम के अनुसार, वे 22 अप्रैल को पहलगाम में बैसरन घास के मैदान पर ही थे। इस भयावह घटना को याद करते हुए प्रदीप ने बताया कि उन्होंने घास के मैदान तक जाने के लिए तीन घोड़े किराए पर लिए थे।जब उनके बेटे ने भूख लगी, तो वे उसे पास के एक फ़ूड स्टॉल पर ले गए। जब पिता-पुत्र मैगी का ऑर्डर दे रहे थे, शुभा वॉशरूम चली गई तभी गोलियों की आवाज आने लगे। हालांकि दुकान विक्रेता ने प्रदीप को शांत करने की कोशिश की, यह कहते हुए कि यह आवाज पटाखों की हो सकती है। प्रदीप ने अभी एक कप चाय का ऑर्डर दिया था, तभी उसने दो हथियारबंद आतंकवादियों को देखा- एक नीचे की ओर बढ़ रहा था, दूसरा उनकी ओर बढ़ रहा था। शुभा वॉशरूम से लौटी थी, और तीनों तुरंत जमीन पर गिर गए। जब शुभा अपना पर्स लेने के लिए उठी, जिसमें उनके सभी आईडी कार्ड थे, तो एक गोली उसके दाहिने कान के पास से निकल गई, वह तुरंत फिर से झुक गई। बाद में उसने याद किया कि उसके बालों पर कुछ महसूस हुआ था, लेकिन वह बहुत डरी हुई थी। इसके तुरंत बाद, पर्यटकों को एक गेट की ओर भागने के लिए कहा गया। मीडिया से बात करते हुए प्रदीप ने कहा- ÷मैं मान बैठा था कि मैं उस दिन मर जाऊंगा। मेरे पास कोई उम्मीद नहीं बची थी।सौभाग्य से, शुभा ही शांत थी। उसके विचारों की स्पष्टता और अटूट विश्वास कि वे सुरक्षित घर लौट आएंगे÷। गेट पर पहुंचने के तुरंत बाद, सेना के जवानों ने उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचा और इस तरह उनकी जिंदगी बच गई।

पंजाब में मान सरकार का बुलडोज Action, एक साथ 3 तस्करों के घर पर चला पीला पंजा

स्वतंत्र प्रभात

पायल(विनायक)- पंजाब सरकार द्वारा मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में चलाए जा रहे 'नशे के खिलाफ युद्ध' अभियान के तहत नशा तस्करों के खिलाफ युद्ध स्तर पर कार्रवाई जारी है। इसी श्रृंखला के अंतर्गत खन्ना के एस.एस.पी. डॉ. ज्योति यादव बैंस के नेतृत्व में पायल थाना के अंतर्गत गांव धमोट कलां में तीन नशा तस्करों के अवैध रूप से बने मकानों पर बुलडोजर चलाया गया।

यह मकान गलाडा की अनुमति के बिना बनाए गए थे। इस कार्रवाई के दौरान ग्लाडा से सब डिविजनल इंजीनियर लुधियाना करण अग्रवाल, जिला नगर योजनाकार हरप्रीत सिंह बाजवा और नायब तहसीलदार (ड्यूटी मजिस्ट्रेट) गुरप्रीत सिंह भी मौके पर मौजूद थे। एसएसपी डॉ. ज्योति यादव बैंस ने कहा कि पंजाब सरकार ने नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है और नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि गांव धमोट कलां के सतविंदर सिंह उर्फ बॉबी, पलविंदर सिंह उर्फ पप्पू और सरबजीत कौर के परिवारों के खिलाफ आईपीसी और एन.डी.पी.एस. के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस अधिनियम के तहत कई मामले दर्ज किये गये हैं। बॉबी और पप्पू के खिलाफ 6-6 एफआईआर दर्ज हैं, जबकि सरबजीत कौर और उसकी मां करमजीत कौर के खिलाफ 3-3 एफआईआर दर्ज हैं।

डॉ. ज्योति यादव बैंस ने कहा कि नशे के सौदागरों ने पंजाब के युवाओं को बर्बादी की ओर धकेल दिया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार इस लड़ाई के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे नशा तस्करों के बारे में जानकारी देने के लिए अपने नजदीकी पुलिस स्टेशन से संपर्क करें। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि नशा तस्करों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा और अगर किसी ने यह धंधा नहीं छोड़ा तो उनके घर पर भी बुलडोजर चला दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

जस्टिस बी आर गवई भारत के 52वें प्रधान न्यायाधीश नियुक्त, 14 मई को संभालेंगे पदभार

स्वतंत्र प्रभात

सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई देश के अगले मुख्य न्यायाधीश होंगे। राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद विधि मंत्रालय ने मंगलवार को न्यायमूर्ति गवई को भारत के 52वें प्रधान न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की अधिसूचना जारी कर दी। न्यायमूर्ति गवई 14 मई को सीजेआई का पदभार संभालेंगे। मौजूदा सीजेआई न्यायमूर्ति संजीव खन्ना का 13 मई को कार्यकाल समाप्त हो रहा है। निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार, 16 अप्रैल को प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना ने न्यायमूर्ति गवई के नाम की अनुशंसा केंद्र सरकार को की थी। वह वर्तमान सीजेआई खन्ना के बाद उच्चतम न्यायालय के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश हैं। जस्टिस गवई का कार्यकाल छह महीने दस दिन का होगा और वे 23 नवंबर 2025 को 65 वर्ष की आयु होने पर सेवानिवृत्त होंगे। वे देश के दूसरे दलित मुख्य न्यायाधीश होंगे। उनसे पहले जस्टिस के. जी. बालाकृष्णन इस पद पर आसीन रहे थे।

उच्चतम न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार, न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई का जन्म 24 नवंबर 1960 को महाराष्ट्र के अमरावती में हुआ। उन्होंने 16 मार्च 1985 को वकालत की दुनिया में कदम रखा और शुरुआत में दिवंगत राजा एस. भोंसले, जो पूर्व महाधिवक्ता और उच्च न्यायालय के न्यायाधीश रह चुके हैं, उनके साथ कार्य किया। वर्ष 1987 से 1990 तक उन्होंने बॉम्बे उच्च न्यायालय में स्वतंत्र वकालत की और इसके बाद मुख्य रूप से नागपुर पीठ के समक्ष विभिन्न मामलों की पैरवी करते रहे।

संवैधानिक और प्रशासनिक कानून उनके प्रमुख क्षेत्र रहे हैं। वे नागपुर नगर निगम, अमरावती नगर निगम और अमरावती विश्वविद्यालय के स्थायी वकील रहे। इसके अलावा एसआईसीओएम, डीसीवीएल जैसे स्वायत्त निकायों और विदर्भ क्षेत्र की नगर परिषदों के लिए भी वे नियमित रूप से अदालत में पेश होते रहे। अगस्त 1992 से जुलाई 1993 तक वे नागपुर पीठ में सहायक सरकारी वकील और अतिरिक्त लोक अभियोजक के तौर पर नियुक्त रहे। बाद में, 17 जनवरी 2000 को उन्हें सरकारी वकील और लोक अभियोजक नियुक्त किया गया। 14 नवंबर 2003 को वह बॉम्बे उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश बने और 12 नवंबर 2005 को स्थायी न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किए गए।

न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई ने मुंबई की मुख्य पीठ के साथ-साथ नागपुर, औरंगाबाद और पणजी में भी विभिन्न प्रकार के मामलों की अध्यक्षता की। 24 मई 2019 को उन्हें भारत के सर्वोच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया। अपने छह वर्षों के कार्यकाल में न्यायमूर्ति गवई करीब 700 पीठों का हिस्सा रहे हैं, जिनमें उन्होंने संविधान, प्रशासनिक, दीवानी, आपराधिक, वाणिज्यिक, पर्यावरण और शिक्षा संबंधी मामलों पर काम किया। न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई ने कई महत?वपूर्ण निर्णय द?िए हैं, इनमें कई संविधान पीठ के ऐतिहासिक फैसले भी शामिल हैं, जो नागरिकों के मौलिक अधिकारों और मानवाधिकारों की रक्षा से जुड़े हैं। न्यायमूर्ति गवई ने उलानबटार (मंगोलिया), न्यूयॉर्क (अमेरिका), कार्डिफ़ (यूके) और नैरोबी (केन्या) जैसे शहरों में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय और हार्वर्ड विश्वविद्यालय सहित विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में संवैधानिक और पर्यावरणीय विषयों पर व्याख्यान भी दिए हैं। वह 23 नवंबर 2025 को सेवानिवृत्त होंगे।

संक्षिप्त ख़बरें

बाघ के हमले में घायल किसान को मिली मदद वन विभाग ने दिया 10 हज़ार रुपए का चेक, किसानों को सतर्क रहने की दी सलाह

सीतापुर लहरपुर क्षेत्र के गांव रावल अदेसर में बाघ के हमले से घायल हुए किसान को वन विभाग ने आर्थिक मदद दी है। 23 अप्रैल को गेहूं की कटाई के दौरान बाघ ने 45 वर्षीय किसान ओमप्रकाश पर हमला किया था जिला अस्पताल से स्वस्थ होकर लौटे ओमप्रकाश को बुधवार को वन विभाग के अधिकारियों ने उनके घर जाकर 10,000 रुपए का चेक सौंपा इस दौरान वन क्षेत्राधिकारी अभिषेक सिंह, उप क्षेत्रीय वन अधिकारी हरीश श्रीवास्तव समेत कई अधिकारी मौजूद थे। वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी उन्हें खेतों में लाठी-डंडे लेकर जाने को कहा गया वन क्षेत्राधिकारी ने कांबिंग कर रही टीम को कोई लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बाघ के पकड़े जाने तक लगातार कांबिंग जारी रहेगी कार्यक्रम में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि नरेंद्र त्रिवेदी, रामसागर मौर्य, निर्मल, सकटु, सुंदरलाल समेत कई ग्रामीण उपस्थित थे!!

मनरेगा योजना में अनियमितता की शिकायत, जिलाधिकारी ने दिया जांच के आदेश

सिद्धार्थनगर। बर्डपुर ब्लाक के ग्राम पंचायत बर्डपुर नम्बर 10 में मनरेगा योजना में जिम्मेदारों द्वारा गड़बड़ी किए जाने की शिकायत मंगलवार को हुई थी। ग्राम पंचायत बर्डपुर नम्बर 10 में मनरेगा योजना में बड़े पैमाने पर बरती जा रही अनियमितता व भ्रष्टाचार को लेकर शिकायत हुई. डीएम को दिये शिकायत पत्र में लिखा गया है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा योजना द्वारा किये गये कार्यों का स्थलीय जांच एवं भौतिक सत्यापन आवश्यक है. बताया कि सरकारी नियमों की अनदेखी करते हुए रोजगार सेवक, ग्राम प्रधान, एवं सम्बंधित अधिकारियों की मिलीभगत से सरकारी खजाने की लूट की गयी. जो स्थलीय जांच से ही स्पष्ट हो जायेगा. ग्रामीणों ने इस दिशा में उचित कार्रवाई की मांग की है. शिकायती पत्र मिलने बाद जिलाधिकारी की ओर से अविलंब जांच का आदेश दिया गया है।

मेरी दादी जिंदा होती तो पाकिस्तान को करारा जवाब मिलता- राहुल

● मुझे दर्द महसूस है, मैंने आतंकी हमलों में अपने पिता और दादी को खोया है

स्वतंत्र प्रभात

कानपुर। राहुल गांधी ने आज कानपुर में शुभम द्विवेदी के घर पर कहा कि यदि आज हमारी दादी(इंदिरा गांधी) जिंदा होती तो पाकिस्तान को करारा जवाब मिलता जैसा कि 1971 में मिला था। गौरतलब है कि 1971 में भारत पाकिस्तान युद्ध में भारत ने पाकिस्तान को बुरी तरह पराजित किया था और बंगलादेश के रुप में उसके दो टुकड़े करा दिये थे। राहुल ने पहलगाम हमले में मारे गए कानपुर के शुभम द्विवेदी के परिजनों से मुलाकात की। शुभम की पत्नी ऐशन्या राहुल को देखकर रोने लगीं। इस पर राहुल ने उन्हें गले लगा लिया और सांत्वना दी। ऐशन्या ने राहुल को पहलगाम में हुई घटना के बारे में सब कुछ बताया। उन्होंने बताया कि कैसे मेरे पति को आतंकियों ने गोली मार दी। ऐशन्या ने बताया कि हर जगह सुरक्षा की व्यवस्था थी, लेकिन पहलगाम में कोई सिक्योरिटी नहीं थी। राहुल ने कहा- कहीं ना कहीं सुरक्षा में चूक रही है।

मेरी सरकार होती तो अब तक फैसला हो चुका होता । कहीं न कहीं सुरक्षा में चूक हुई है। लेकिन अब हम सरकार के हर फैसले के साथ हैं।शुभम के परिजनों से राहुल गांधी करीब 20 मिनट तक बात की। इस दौरान शुभम के पिता ने राहुल गांधी से सवाल पूछते हुए कहा कि आपने भी यह दर्द झेला है। आपकी अगर दादी आज जिंदा होतीं तो क्या देश में इस तरीके के हमले होते? इस पर राहुल गांधी ने कहा कि अगर दादी जिंदा होतीं, तो 1971 की तरह ही पाकिस्तान को जवाब दिया जाता। इस तरीके के हमले भारत के अंदर बिल्कुल भी नहीं होते।

आग लगने से सामान जल कर राख

सिद्धार्थनगर। जिले के त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के ग्राम नावडीह में कैसराम भारती, मुकेश कुमार के फूस की झोपड़ी में मंगलवार की रात अचानक आग लगने से झोपड़ी में रखा सारा सामान जल कर राख हो गया। झोपड़ी के अंदर महिलाएं थी। दोनों भाई घर पर नहीं थे। महिलाएं झोपड़ी को जलते देख शोर करना शुरू किया, इतने में दोनों भाई आ पहुंचे ग्रामीणों की मदद से बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस अग्नि घटना में लगभग हजारों रुपए के क्षति होने का अनुमान है।

बैंक से 1.57 करोड़ के गोल्ड लोन धोखाधड़ी मामले में एक महिला सहित तीन आरोपी गिरफ्तार

समस्तीपुर शहर के गोला रोड स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा में चार महीने पहले दर्ज हुए एक करोड़ 57 लाख 64 हजार रुपए के गोल्ड लोन धोखाधड़ी मामले में पुलिस ने एक महिला सहित तीन आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि इन लोंगो ने नकली सोना को असली बताकर बैंक को गुमराह कर गोल्ड लोन लिया था। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान मथुरापुर थाना क्षेत्र के अकबरपुर निवासी मो. गुलाम हैदर की पुत्री माहेलका, अकबरपुर वार्ड संख्या 5 निवासी मो. आज़ाद के पुत्र मो. बरकत, और वार्ड 9 निवासी मो. चांद के पुत्र मो. अजहर इमाम के रूप में हुई है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुटी हुई है। विदित कि बैंक की आंतरिक जांच में खुलासा हुआ था कि कुल 72 ऋण खातों में नकली सोना जमा कर लोन लिया गया था। यह एफआईआर बैंक के दरभंगा क्षेत्रीय कार्यालय के सहायक महाप्रबंधक राजीव कुमार चौधरी के बयान पर दर्ज की गई थी। जांच में यह भी पाया गया कि कर्पूरीग्राम थाना क्षेत्र के शंभूपट्टी निवासी स्वर्ण जांचकर्ता अमरजीत साह ने नकली सोने को असली बताकर बैंक को गुमराह किया था। इन्हीं की रिपोर्ट के आधार पर खाता धारकों को गोल्ड लोन स्वीकृत किया गया था। बता दें कि अमरजीत साह पूर्व में ताजपुर रोड शाखा में हुए 50 लाख रुपए के गोल्ड लोन घोटाले में भी आरोपी बनाए जा चुके हैं। इस संबंध में नगर थानाध्यक्ष शिवकुमार यादव ने बताया की पुलिस टीम ने गोल्ड लोन धोखाधड़ी मामले में महिला समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। बैंक की ओर से दर्ज प्राथमिकी में कुल 50 लोगों को आरोपी बनाया गया है, जिनमें महिला आरोपियों की संख्या अधिक है। पुलिस अब शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए भी छापेमारी कर रही है।

विकास खंड के सिविलियन विद्यालय जांच के दौरान एसडीएम ने पी कई खामियां

स्वतंत्र प्रभात ब्यूरो।

गोला गोकर्णनाथ- खीरी। विकासखंड कुंभी (गोला) क्षेत्र के ग्राम विश्नूवेहड, ग्राम पंचायत निजामपुर के संविलियन विद्यालय का उपजिलाधिकारी विनोद कुमार गुप्ता गोला ऑर्किड निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान निम्नलिखित कमियां पायी गयी।जॉच के समय मौके पर उपस्थित इंचार्ज प्रधानाध्यापक द्वारा 10.30 बजे तक विद्यालय में उपस्थित बच्चों की संख्या नहीं बतायी जा सकी, प्रधानाध्यापक द्वारा मध्यान्ह भोजना योजना के अन्तर्गत क्या मीनू है और कितने बच्चों के लिए बन रहा है? इस सम्बंध में कोई सही जवाब नहीं दे पायीं।, विद्यालय में स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था नहीं है। केवल एक इण्डिया मार्का हैण्डपम्प है, तथा समरसेबिल पंप का बिजली कनेक्शन कटा हुआ पाया गया। इंचार्ज प्रधानाध्यापक द्वारा बताया गया कि विद्युत व्यवस्था विगत 3-4 दिन से खराब हैं, हैण्डवॉश यूनिट कियाशील नहीं है। शौचालय में पानी की व्यवस्था न होने के कारण साफ-सफाई की व्यवस्था नहीं हो पा रही है। विद्यालय की बाउण्ड्रीवॉल निर्मित नहीं है।,विद्यालय में जर्जर कक्ष है जिसका निर्माण वर्ष 2006 में हुआ था जिसका नियमानुसार ध्वस्तीकरण आवश्यक है।,विद्यालय में डी0बी0टी0 वितरण के सम्बंध में इंचार्ज प्रधानाध्यापक द्वारा सूचना उपलब्ध नहीं करायी जा सकी। इंचार्ज प्रधानाध्यापक द्वारा शैक्षणिक व विद्यालय के कार्यों में रूचि न लिये जाने के सम्बंध में बेसिक शिक्षाधिकारी लखीमपुर-खीरी को जॉच आख्या प्रेषित की गयी है।

जनपद सीतापुर में आंगनबाड़ी भर्ती घोटाला- न्याय की पुकार और जनआंदोलन की गूंज

स्वतंत्र प्रभात ब्यूरो।

सीतापुर/जनपद सीतापुर इन दिनों आंगनबाड़ी भर्ती घोटाले को लेकर उबाल पर है। जिले भर की सैकड़ों पीड़ित आवेदिकाएं भ्रष्टाचार और पक्षपातपूर्ण चयन प्रक्रिया के खिलाफ आवाज़ बुलंद कर रही हैं। हाल ही में इन आवेदिकाओं ने पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर के लखनऊ स्थित आवास पर पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। मंत्री ने पीड़ितों की बात को गंभीरता से लेते हुए उन्हें न्याय का आश्वासन दिया और मुख्यमंत्री से इस विषय में शीघ्र मुलाकात कराने की बात कही।

यह आंदोलन अब एक स्थानीय विरोध प्रदर्शन से आगे बढ़कर जनांदोलन का रूप ले चुका है। इसके नेतृत्व में समाजसेवी पुष्पेंद्र प्रताप सिंह हैं, जो भारतीय किसान संघ (अवध प्रांत) के कसमंडा ब्लॉक अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने जिले की विभिन्न विकास खंडों–जैसे कसमंडा, सिधौली, गोदलामऊ, मिश्रिख, खैराबाद, हरगांव, मछरेहटा, परसेंडी, महोली, बिसवां, महमूदाबाद–से सामने आई शिकायतों को एकत्र कर संगठित स्वर प्रदान किया है।

भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप

भर्ती प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगे हैं। कई मामलों में अभ्यर्थियों को विधवा या तलाकशुदा दर्शाकर फर्जी आधार पर चयनित किया गया, जबकि ग्राम प्रधानों द्वारा उन्हें अविवाहित प्रमाणित किया गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए ऑडियो क्लिप्स और दस्तावेजों ने इस घोटाले की पुष्टि की है। कई सीडीपीओ, सुपरवाइजर और लिपिकों पर रिश्वत लेने, धमकी देने और शासनादेश की अवहेलना करने के आरोप लगाए गए हैं। एक महिला अधिकारी द्वारा ज्ञापन फेंक देने की घटना ने प्रशासनिक अमर्यादा की सारी सीमाएं पार कर दीं।

1. निष्पक्ष जांच - लोकायुक्त, सतर्कता आयोग या न्यायिक एजेंसी द्वारा।
2. दोषियों पर कार्रवाई - एफआईआर दर्ज कर तत्काल निलंबन।

3. भर्ती रद्द कर पुनः प्रक्रिया - पारदर्शी तरीके से चयन प्रक्रिया दोबारा चलाई जाए
4. RTI के माध्यम से पारदर्शिता - भर्ती से जुड़े सभी दस्तावेज सार्वजनिक किए जाएं।

04 अप्रैल से 24 अप्रैल तक पीड़ित आवेदिकाएं कई बार जिला मुख्यालय पर धरना, प्रदर्शन और ज्ञापन सौंप चुकी हैं। अब उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह में न्यायिक कार्रवाई नहीं हुई, तो वे लखनऊ तक पैदल मार्च कर मुख्यमंत्री कार्यालय के समक्ष आमरण अनशन करेंगी। यह मामला मात्र एक भर्ती घोटाले तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उन हजारों मेहनती युवाओं के भविष्य का प्रश्न है, जिन्होंने नियमों पर विश्वास कर आवेदन किया था। यदि समयबद्ध और निष्पक्ष जांच न हुई, तो यह शासन की पारदर्शिता और जवाबदेही पर गहरा प्रश्नचिह्न बनेगा। शासन-प्रशासन से अपेक्षा है कि वह इस जन आंदोलन की संवेदनशीलता और गंभीरता को समझे, और समय रहते न्यायिक कार्रवाई कर पीड़ितों को न्याय दिलाए।

सबसे अच्छी बात और सबसे बुरी बात

यह दुख की बात है कि पहलगाम में पाक-प्रायोजित आतंकी हमले के बाद भाजपा और संघी गिरोह पूरे देश में मुस्लिम विरोधी माहौल बना रहा है। इसके नतीजे में जगह-जगह कश्मीरियों पर और मुस्लिमों पर हमले हो रहे है। इस बात को साफ तौर पर समझने की जरूरत है कि हमारी असली लड़ाई पाकिस्तान के सत्ताधारियों और आतंकवादियों से है, मुस्लिमों से नहीं और न ही पाकिस्तान की उस जनता से, जो हमारी तरह ही बेरोजगारी, भूख, गरीबी, ज़हालत और सरकारी दमन की भट्टी में जल रही है। दोनों ओर की आम जनता की लड़ाई तो एक है, लेकिन दोनों ओर की सत्ताधारी पार्टियां अपने राजनैतिक स्वार्थों के लिए उसका इस्तेमाल कर रही है। इस आतंकी हमले के इतने दिनों बाद भी हमारे परिधान मंत्री के श्रीचरण कश्मीर में नहीं पड़े हैं। वे प्रचार मंत्री बनकर बिहार में आतंकवादियों को ललकार रहे हैं, पाकिस्तान पर गरज रहे हैं, लेकिन बरसेंगे कब, इसका किसी को अता-पता नहीं है। संघी मीडिया इस आतंकी हमले को हिंदुओं पर मुस्लिमों के हमले का रूप देने में लगा है। सबको पता है कि नफरत की जो फसल बोई जा रही है, बिहार चुनाव में कटेगी और संघ-भाजपा को सत्ता के और करीब ले जायेगी। पाकिस्तान और आतंकवाद के खिलाफ युद्ध छेड़ने की घोषणा भी इसी तरह की है। पूरे देश में युद्ध का उन्माद फैलाया जा रहा है, पुलवामा की तरह। तब भी संघी गिरोह इसी तरह गरजा था। उसने पाकिस्तान और आतंकवादियों को नेस्तनाबूद करने की कसमें खाई थीं, ठीक वैसी ही, जैसी पहलगाम मामले में खाई जा रही है। लेकिन पुलवामा की असलियत आज तक जनता के सामने नहीं आई, पुलवामा के आतंकी हमले की जिम्मेदारी आज तक मोदी सरकार ने स्वीकार नहीं की। ऐसा ही हाल पहलगाम पर हमले का होने वाला है।

भारत में अटल राज की कृपा से पाकिस्तान परमाणु संपन्न देश बन चुका है। संघी गिरोह की विदेश नीति हमेशा विफल रही है। मोदी राज भी इसी का प्रमाण है। आज हमारे देश की किसी भी पड़ोसी देश से अच्छी मित्रता नहीं है। इसलिए यदि हमारे न चाहने के बावजूद कोई युद्ध होता है, तो न चीन हमारा समर्थन करने वाला है और न अमेरिका हमारे साथ आने वाला है। भारत की सैन्य शक्ति पाकिस्तान पर कितनी भी भारी क्यों न हो, उसकी परमाणु संपन्नता उसे हमारी बराबरी पर ला खड़ा करती है। पिछले दस सालों में निजीकरण की नीतियों के कारण रक्षा उद्योग में हमने अपनी आत्मनिर्भरता खो दी है। हमने शोध और विकास पर जितना भी खर्च किया हैं, जितनी भी नई तकनीक ईजाद की है, वह मस्जिदों को खोदकर मंदिरों को ढूंढने के लिए तो कारगर है, लेकिन दुश्मन देश की सेनाओं का और उसकी सैन्य तकनीक का मुकाबला करने के लिए नहीं। गोदी मीडिया से परे की रिपोर्ट बता रही है कि पिछले दस सालों से हम मंदिर-मस्जिद, हिंदू-मुस्लिम का खेल ही खेलते रहे, पाकिस्तान उन्नत अस्त्र-शस्त्रों और तकनीक से लैस होता गया है। अपनी सेनाओं को अग्निवीरों को ठेके पर देने का नतीजा यह हुआ है कि जल, थल, वायु की तीनों सेनाएं नियमित और प्रशिक्षित सैनिकों की भारी कमी से जूझ रही है।

युद्ध किसी का भला नहीं करता -- और युद्धरत देशों की आम जनता का भला तो करता ही नहीं। परमाणु संपन्न देशों की लड़ाई का नतीजा आम जनता के लिए सिवा तबाही के और कुछ नहीं होगा। लेकिन आम जनता की चिंता किसको है? दोनों ओर गद्दी की चिंता है। मोदी सरकार ने पाकिस्तान को पानी रोकने का जो फैसला लिया है, उससे न तो किसी आतंकी की और न ही किसी पाकिस्तानी नेता की नल की टोंटी सूखने वाली है। यह फैसला पाकिस्तान की जनता को प्यासा मारकर बदला लेने का फैसला है। हालांकि इस फैसले पर अमल उतना आसान नहीं है, जितना मोदी सरकार सोचती है। लेकिन इससे साफ हो जाता है कि मोदी सरकार के निशाने पर पाक सरकार और आतंकवादी नहीं, पाकिस्तान का हिन्दू-मुस्लिम अवाम है। इस फैसले के बदले में पाकिस्तान ने जो एयर स्ट्राइक की है, उसका हमारी देश की अर्थव्यवस्था पर तुरंत प्रभाव पड़ने जा रहा है। कुल मिलाकर, दोनों ओर के सत्ताधारियों के फैसले से महंगाई बढ़ने वाली है और बेरोजगारी और गरीबी भी ; यहां भी और वहां भी। आज युद्ध दोनों ओर के सत्ताधारियों की जरूरत है, सत्ता में बने रहने के लिए। देखना केवल यह है कि यह युद्ध किस रूप में होता है।

लेकिन क्या देश की जनता को विभाजित और कमजोर करके यह युद्ध लड़ा जाएगा? क्या भारत-पाकिस्तान युद्ध को देश के अंदर हिंदू-मुस्लिम युद्ध में बदलने की कोई तैयारी चल रही है? पिछले एक सप्ताह के घटनाक्रमों और उसमें सरकार और प्रशासन के हस्तक्षेप को देखा जाएं, तो ऐसा लगता है कि भारत-पाकिस्तान युद्ध प्रत्यक्ष रूप से हो, चाहे न हो, लेकिन देश के मुस्लिमों के खिलाफ एक युद्ध छेड़ ही दिया गया है। संघी गिरोह एक ही सांस में 'पाकिस्तान मुर्दाबाद' का नारा लगा रहा है, पुतले जला रहा है और उसी सांस में देश के मुस्लिमों के खिलाफ जहर उगल रहा है, उन पर हमले कर रहा है। भोपाल के हबीबगंज रेलवे स्टेशन परिसर में नशे में धुत युवकों ने रेलवे पुलिस के हेड कांस्टेबल दौलत खान पर केवल उनके नाम की पट्टी देखकर उन पर हमला कर दिया। साफ है कि अब पुलिस और सैनिक भी संघी गिरोह के सांप्रदायिक हमलों से ऊपर नहीं है। अब स्थिति यह हो गई है कि एक हिंदू डॉक्टर अपने मुस्लिम मरीज का इलाज करने से मना कर रहा है। कितनी शर्मनाक बात है यह।

संघी गिरोह के हमले से तो अब खुद संघ के प्रति निष्ठावान लोग भी नहीं बचे हैं। जनसत्ता के संपादक रहे राहुल देव की यह टिप्पणी सोशल मीडिया पर तैर रही है -- ÷बेटी के साथ अपनी डीपी हटा दी है, उससे पूछकर, क्योंकि उसकी इच्छा से लगाई थी। फेसबुक सहित सोशल मीडिया पर 'राष्ट्रवादी सनातनी देशभक्तों 'की अश्लील निगाहों और टिप्पणियों का शिकार बेटी अब और न बने इसलिए। इस संस्कारी प्रजाति के सदस्य किसी की मां, पत्नी, बेटी पर अपनी कुत्सा बरसाने में भी संकोच नहीं करते। यहीं आशा करता हूं कि वे अपने परिवार-परिजनों की महिलाओं को बख्श देते होंगे।÷ राहुल देव का संघ के प्रति झुकाव जग जाहिर है। लेकिन उससे क्या? नफरत और कुत्सा की राजनीति किसी को नहीं छोड़ती, न किसी मुस्लिम को, न हिन्दू को। सूरत के दंगों में गर्भ में खेल रहे उस अजन्मे बच्चे को भी नहीं, जिसकी मां के पेट में तलवार घुसेड़कर भ्रूण को तलवार की नोंक पर नचाया गया था। उसका अपराध केवल यही था कि वह किसी गैर हिंदू मां के पेट में पल रहा था। इस कुत्सा की आग हिंदुओं यह भी पहुंचनी ही थी, पहुंच रही है। राहुल देव के साथ मेरा भी सिर शर्म से झुका हुआ है, क्योंकि नाम से एक हिंदू पहचान के बावजूद मेरा भी मैसेंजर ऐसे ही धमकियों और गलियों से भरा पड़ा है और मैं ऐसे सभ्य सनातनियों के खिलाफ कुछ भी करने में असहाय हूं। राहुल जी का दुख और क्षोभ मेरा अपना है।

भागलपुर, भिवंडी, मालेगांव, अलीगढ़, बनारस, मेरठ, मुरादाबाद, मुज़फ्फरनगर में हुए दंगों का इतिहास बताता है कि इन दंगों को आयोजित-प्रायोजित करने में भाजपा-संघ का कितना बड़ा हाथ था। ये सब दंगे मुस्लिमों की घरेलू अर्थव्यवस्था को तोड़ने और उनके उद्योगों पर हिंदू पूंजीपतियों का कब्जा कराने के उद्देश्य से किए गए थे, यह रहस्य की बात नहीं है। भाजपा राज में आज भी मुस्लिमों की आजीविका पर ही सुनियोजित रूप से हमले हो रहे हैं। दूसरी ओर, मालेगांव बम धमाका, समझौता एक्सप्रेस धमाका, मक्का मस्जिद धमाका आदि घटनाओं से इस बात की पुष्टि हो चुकी है कि मुस्लिमों को आतंकवादी साबित करने के लिए संघी गिरोह ने खुद ही इन आतंकवादी घटनाओं को अंजाम दिया था। सबूत इतने पुख्ते हैं कि मोदी के राज में, मोदी के अधीन काम करने वाली जांच एजेंसी, एनआईए को भाजपा की पूर्व सांसद और कथित साध्वी प्रज्ञा ठाकुर और सात अन्य हिन्दुत्ववादी आतंकवादियों के लिए फांसी की सज़ा की मांग करनी पड़ी है। नफरत की राजनीति को पालते-पोसते ये इतने गिर चुके हैं कि खुद ही आतंकी बन चुके हैं और जिंदा बम बनकर घूम रहे हैं। ये सभी दंगे और आतंकी घटनाएं, जिसमें संघी गिरोह की सीधी संलिप्तता है, और उसका मुस्लिम-विरोध, अंतर्राष्ट्रीय प्रेक्षकों की नजर में है। इससे भाजपा और मोदी सरकार का आतंकवाद के खिलाफ लड़ने और पहलगाम पर हमला पाक-प्रायोजित होने का दावा कमजोर पड़ता है।

मोदी सरकार की इस कमजोरी का अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति के स्तर पर पाकिस्तान पूरा फायदा उठा रहा है। उसने अपनी ओर से पहलगाम की घटना की ÷निष्पक्ष अंतरराष्ट्रीय जांच÷ करने की मांग की है, जिसे चीन ने अपना समर्थन दिया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 25 अप्रैल को सर्व-सम्मति से एक प्रस्ताव पारित करके पहलगाम में आतंकवादी हमले की निंदा की है, लेकिन इस हमले में पाकिस्तान और लश्कर-ए-तैयबा के हाथ होने के लगभग पुष्ट प्रमाणों के बाद भी प्रस्ताव में उसके नाम का उल्लेख नहीं किया है। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के खिलाफ भारत के गर्जन-तर्जन के बावजूद प्रस्ताव पर इसका कोई असर नहीं दिखा है। ब्रिटेन, फ्रांस, अमेरिका और रूस जैसे भारत के मित्र देशों ने भी भारत के पक्ष में कोई रुचि नहीं ली है। कूटनीति के स्तर पर यह भारत की पराजय ही है। ऐसी परिस्थितियों में किसी भी संभावित युद्ध की स्थिति में भारत को शायद ही किसी शक्तिशाली देश से सक्रिय समर्थन मिलेगा।

अच्छी बात यही है कि पहलगाम की घटना के बाद भाजपा जिस तरह का सांप्रदायिक ध्रुवीकरण करना चाहती थी, वह अभी तक नहीं हुआ है। अच्छी बात यह है कि कश्मीर की हिंदू और मुस्लिम जनता और उनका प्रतिनिधित्व करने वाली पार्टियां और संस्थाएं आतंकवाद की इस घटना के खिलाफ खुलकर, एकजुटता के साथ खड़ी हुई है। अच्छी बात यह है कि कश्मीर की सभी मस्जिदों में हमारे मुस्लिम भाईयों ने आतंकवाद की निंदा करते हुए पहलगाम हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी है और पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। अच्छी बात यह है कि इस भीषण आतंकी समय में कश्मीर के मुस्लिम परिवारों के दरवाजे हर हिंदू के लिए खुले हुए हैं। अच्छी बात यह है कि इस घटना से मानवीयता, संवेदनशीलता के कई ऐसे चमकदार उदाहरण सामने आए हैं, जिसने हिंदू-मुस्लिम एकता की भावना को नई धार दी है और दोनों कौमों के बीच भाईचारे के नए संबंध विकसित हुए हैं। अच्छी बात यह है कि बिना किसी देरी के कश्मीर में फिर से सैलानियों की बहार है। आतंकवादियों का असली उद्देश्य इसी पर्यटन उद्योग को कुचलना और हिंदू-मुस्लिम का सांप्रदायिक ध्रुवीकरण करना था। लेकिन सबसे बुरी बात यह है कि संघी गिरोह किसी भी अच्छी बात से कोई सबक लेना नहीं चाहता और अपने चुनावी फायदे के लिए पूरे देश को सांप्रदायिक रूप से विभाजित करने की ही नीति पर चल रहा है। नफरत और सांप्रदायिकता के आधार पर विभाजित देश किसी भी प्रकार के हमले का सामना नहीं कर सकता -- न पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का और न अमेरिका प्रायोजित आर्थिक हमलों का। आज की सबसे बुरी खबर यह है कि संघ-भाजपा की सांप्रदायिक और साम्राज्यवादपरस्त नीतियों ने हमारे देश को कहीं का नहीं छोड़ा है।

आलेख- संजय पराते

मजदूर नहीं, मेहनत का मसीहा है वह, श्रम का सम्मान, समाज की पहचान

समाज की रीढ़, देश का स्तंभ, और विकास की धारा के नायक वे हैं जिनके बिना किसी राष्ट्र की परिभाषा अधूरी रहती है। ये लोग सिर्फ श्रमिक नहीं, बल्कि हमारे समाज का वह अभिन्न हिस्सा हैं जो अपनी मेहनत से हर दिन नए सपने रचता है। लेकिन हम उन्हें किस रूप में जानते हैं? क्या उनकी संघर्षों की गाथाएं हमें कभी सुनाई देती हैं, या फिर हम उन्हें सिर्फ मज़दूर कहकर उनके अस्तित्व को सीमित कर देते हैं? अंतर्राष्ट्रीय मज़दूर दिवस, जिसे हम 1 मई के रूप में मनाते हैं, हर साल हमें इस सवाल से रू-ब-रू कराता है। यह केवल एक तिथि नहीं है, बल्कि एक समर्पण है, एक श्रद्धांजलि है उन लाखों श्रमिकों के प्रति जिनकी मेहनत से देश की संजीवनी शक्ति और समाज की आत्मा जीवित रहती है। यह दिन केवल श्रमिकों के अधिकारों की बात नहीं करता, बल्कि यह उन अनकही कहानियों का उद्घाटन करता है, जिन्हें न जाने क्यों हम नज़रअंदाज करते हैं। यह दिन 1886 में शिकागो के ऐतिहासिक हेमार्केट नरसंहार से जुड़ा हुआ है। उस समय, अमेरिका में श्रमिक आठ घंटे के कार्यदिवस की मांग कर रहे थे। आठ घंटे कार्य, आठ घंटे आराम और आठ घंटे खुद के लिए यह उनकी सीधी, सरल और न्यायपूर्ण मांग थी। लेकिन इस मांग को हिंसा का सामना करना पड़ा, और कई श्रमिकों की जान चली गई। तब से यह दिन सिर्फ एक संघर्ष का प्रतीक नहीं, बल्कि श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए एक ऐतिहासिक बयार बन गया। यह दिन हमें याद दिलाता है कि किसी भी राष्ट्र की असली ताकत उस राष्ट्र के श्रमिकों के संकल्प और संघर्ष में निहित होती है, न कि केवल सत्ता और राजनीति में।भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण राष्ट्र में, जहाँ हर दिन हजारों श्रमिक खेतों में, कारखानों में, कंस्ट्रक्शन साइटों पर, या घरेलू कार्यों में लगे होते हैं, यह दिन और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। हमारे देश में करोड़ों श्रमिक असंगठित क्षेत्र में कार्यरत हैं। उनका जीवन कठिनाईयों से भरा हुआ है, लेकिन उनका संघर्ष और सामर्थ्य कभी खत्म नहीं होता। श्रमिकों के लिए यह दिवस न केवल उनका सम्मान है, बल्कि यह एक संकल्प है कि उनके अधिकारों की रक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है। भारत सरकार ने श्रमिकों की भलाई के लिए कई योजनाएं और नीतियाँ लागू की हैं, जिनका उद्देश्य उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाना और उनके अधिकारों की सुरक्षा करना है। सरकार ने न्यूनतम मजदूरी कानून, ईएसआई (कर्मचारी राज्य बीमा) योजना, और पीएफ (कर्मचारी भविष्य निधि) योजना जैसे कदम उठाए हैं, ताकि श्रमिकों को रोजगार सुरक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, और भविष्य के लिए वित्तीय सुरक्षा मिल सके। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन योजना जैसी योजनाएँ भी श्रमिकों के लिए वृद्धावस्था पेंशन की व्यवस्था प्रदान करती हैं, जिससे उनकी सामाजिक सुरक्षा बढ़ी है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री जनधन योजना ने श्रमिकों को बैंकिंग सेवा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे उनके आर्थिक लेन-देन सुरक्षित और पारदर्शी हुए हैं। उधार आधारित योजना और राष्ट्रीय श्रमिक कल्याण बोर्ड जैसी योजनाएं भी श्रमिकों के कल्याण के लिए कार्यरत हैं। हालांकि इन योजनाओं से श्रमिकों को कुछ हद तक लाभ हुआ है, फिर भी वास्तविक स्थिति यह है कि कई बार इन योजनाओं का लाभ पूरी तरह से पात्र व्यक्तियों तक नहीं पहुँच पाता, और उनका कार्यान्वयन क्षेत्रीय स्तर पर कमजोर होता है। यह भी सच है कि श्रमिकों के जीवन में कई तरह की चुनौतियाँ अब भी बनी हुई हैं। हमारी नीतियाँ अक्सर योजनाओं के कागजी रूप तक सीमित रहती हैं, और ज़मीनी स्तर पर उनकी सही तरह से क्रियान्वयन में अक्सर कठिनाई आती है। आज भी असंगठित क्षेत्र में कार्यरत लाखों श्रमिकों के पास न तो कोई स्वास्थ्य सुरक्षा है, न कोई उचित कार्य वातावरण। कई बार वे अत्यधिक काम के दबाव में, बेहद कम वेतन पर, और बुनियादी अधिकारों से वंचित रहकर काम करते हैं। इससे उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। यही कारण है कि श्रमिकों के जीवन में व्याप्त असमानता, कठिनाई और संघर्ष कम होने के बजाय बढ़ रहे हैं। 1 मई का दिन हमेशा उन लोगों के जीवन की कड़ी सच्चाई को सामने लाता है, जो अपनी आवश्यकताओं और अपनों की खुशियों को अपने श्रम की कमाई से पूरा करते हैं। लेकिन दुख की बात यह है कि हमारे समाज में श्रमिकों को जिस तरह से देखा जाता है, वह बहुत हद तक असम्मानजनक और अपमानजनक होता है। हमारे समाज में श्रमिक वर्ग को हमेशा एक अवश्यक बुराई के रूप में देखा गया है। हम उनके श्रम का फायदा तो उठाते हैं, लेकिन उन्हें मानवीय गरिमा से साक्षात्कार नहीं कराते। उन्हें कभी अपना अधिकार नहीं मिलता, कभी कोई सम्मान नहीं मिलता। एक ओर जहां हम रोज़ अपने घरों में आराम से रहते हैं, वहीं दूसरी ओर ये श्रमिक बिना किसी शिकायत के काम करते रहते हैं। निर्माण कार्य हो, सड़कें बनानी हो, घरों में सफाई करनी हो, या बच्चों को स्कूल भेजने का काम हो। ये सब कुछ उनका ही योगदान है। लेकिन क्या हम कभी सोचते हैं कि इन श्रमिकों को क्या मिलता है? क्या वे अपने परिवार के लिए सुरक्षित भविष्य देख पाते हैं? क्या उनके पास स्वास्थ्य सुविधाएँ हैं, शिक्षा के अवसर हैं? हमारे देश में श्रमिकों की स्थिति पिछले कुछ दशकों में थोड़ी सुधरी है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि हम उन्हें पूरा सम्मान दे पा रहे हैं। श्रम कानूनों में सुधार, न्यूनतम मजदूरी की घोषणा, और सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ भले ही बनाई गई हों, लेकिन इनका सही तरीके से पालन नहीं हो पाता। इसके कारण श्रमिकों को कभी न्याय नहीं मिलता। उनका जीवन हमेशा संघर्षों में घिरा रहता है, और कभी-कभी वे आत्महत्या तक करने पर मजबूर हो जाते हैं। अगर हम सचमुच एक समृद्ध राष्ट्र बनना चाहते हैं, तो हमें अपने श्रमिकों के जीवन को प्राथमिकता देनी होगी। हमारे विकास के पैमाने सिर्फ आर्थिक आंकड़ों से नहीं, बल्कि श्रमिकों के जीवन की गुणवत्ता से भी मापे जाने चाहिए। जब एक श्रमिक खुशहाल होगा, तब ही एक राष्ट्र खुशहाल होगा। आज के समय में हमारे लिए यह समझना जरूरी है कि श्रमिक केवल काम करने वाले हाथ नहीं होते। वे राष्ट्र की आत्मा हैं, राष्ट्र की नींव हैं। जब हम किसी निर्माण कार्य को देखते हैं, तो हमें उस मिस्त्री के चेहरे पर झलकते संघर्ष को देखना चाहिए। जब हम किसी सफाईकर्मी को देखते हैं, तो हमें उस व्यक्ति की मेहनत और उसकी गरिमा को महसूस करना चाहिए। जब हम किसी मजदूर को देखकर चुप रहते हैं, तो हम दरअसल उन सपनों को नकारते हैं जो वह अपने बच्चों के लिए पाल रहा होता है। हमें श्रमिकों को केवल उनके काम के लिए नहीं, बल्कि उनके अस्तित्व और उनकी मानवता के लिए भी सम्मान देना होगा। श्रम के बिना कोई विकास नहीं हो सकता। श्रमिकों के बिना कोई समाज नहीं बन सकता। वे हमारी अर्थव्यवस्था का ध्वजवाहक हैं, और उनका सम्मान हमारी सभ्यता का दर्पण है। यह सही समय है जब हम अपने समाज की सोच को बदलें। हमें यह समझने की आवश्यकता है कि श्रमिकों के बिना समाज का कोई अस्तित्व नहीं है। हमें केवल श्रमिकों के अधिकारों की बातें नहीं करनी चाहिए, बल्कि उन अधिकारों को वास्तविकता में बदलने के लिए कार्य करना चाहिए। हमारे लिए एक सशक्त और प्रगतिशील समाज तभी संभव है जब हम अपने श्रमिकों को वह सम्मान और सुरक्षा प्रदान करें जिसकी वे पूरी तरह से हकदार हैं। यह जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं है, बल्कि हम सभी की है। हमें अपने भीतर बदलाव लाने की आवश्यकता है। हमें श्रमिकों को उनके अधिकार देना होगा, उन्हें सम्मान देना होगा, और उन्हें वह पहचान देनी होगी जिसकी वे सच्चे हकदार हैं। इस अंतर्राष्ट्रीय मज़दूर दिवस पर, आइए हम एक संकल्प लें। श्रमिकों के बिना हमारे समाज की कोई पहचान नहीं। उन्हें पहचानिए, सम्मान दीजिए, और उन्हें एक उज्जवल भविष्य का हिस्सा बनाइए। श्रमिकों का सम्मान ही हमारे राष्ट्र का असली सम्मान है।

हंसराज चौरसिया

संपादकीय

बालश्रम एक बड़ी समस्या, श्रमिकों का उद्धार कब होगा

(1 मई, अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस)

संविधान के अनुसार 18 साल से कम उम्र का बच्चा यदि घरेलू कामों से अलग अन्य कार्यो जैसे कारखाना, होटल हलवाई या अन्य जगह कार्य करता है तो उसे बाल श्रमिक माना जाता है। कानूनी रूप से बाल श्रम पर प्रतिबंध लगाया गया है। पर पूरे भारत सहित अन्य विकासशील देशों में बाल श्रम की बहुतायत पाई गई है। बाल श्रमिकों के साथ बड़े मजदूरों की की समस्या भी बड़ी विकराल है इसमें भारत देश को निजात पाना अत्यंत जरूरी है। बाल श्रम केवल एक ही रूप में मौजूद नहीं है बल्कि कई अन्य रूपों में भी वह प्रचलित है, इसमें घर पर कार्य करने वाले घरेलू श्रमिकों चाय खाने-पीने की होटलों पर कार्य करते बच्चे पटाखा उद्योगों में दिन रात काम करते बच्चों के छोटे-छोटे शहरों में कचरा कूड़ा बीनते और भीख मांगते बच्चों से कार्य लिया जाना भी बाल श्रम माना जाता है। यह भी कानूनी रूप से अवैध ही है। बाल श्रम मूल रूप से भारत में व्याप्त गरीबी, भुखमरी, कुपोषण तथा बेरोजगारी जैसे कारण के कारण परिवार के लोगों द्वारा स्वयं अपने बच्चों को बाल श्रम के दलदल में फसा दिया जाता है। इसके अतिरिक्त समाज में शिक्षा का अभाव, अंधविश्वास जागरूकता का अभाव तथा बच्चों के अधिकार के प्रति जानकारी का नितांत अभाव और बाल श्रम को लागू करने वाली संस्थाओं की कमजोरी के कारण बाल श्रम को बल मिलता है। बाल श्रम रोकने के लिए कानूनी प्रक्रिया में इतनी लंबी तथा महंगी होती है की इस प्रक्रिया पर रोक लगाना लगभग असंभव प्रतीत दिखाई देता है। कई परिवारों में बहुत बच्चे होने के कारण और परिवार के अभिभावकों की असामयिक मृत्यु अथवा बीमारी के कारण बच्चों पर ज्यादा जिम्मेदारी आने से बाल श्रम का सिलसिला शुरू होता है, और वह निर्बाध गति से आगे बढ़ता है। इसमें बच्चों का समाजिक, शारीरिक, मानसिक, आर्थिक, प्रशासनिक जैसे सभी स्तरों पर शोषण होता है। भारत में बाल श्रम इसीलिए भी प्रचलित है क्योंकि बाल श्रमिकों को वयस्क श्रमिक से आधे से भी कम पारिश्रमिक दिया जाता है। बाल श्रमिक बहुत कम दाम पर आसानी से उपलब्ध हो जाता है। इसलिए इस सिलसिले को रोकने का प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए। बालकों के श्रम करने से उनमें मस्तिष्क का तनाव मानवी कुंठा तथा उन्हें दिग्भ्रमित करने की दिशा में कई स्तरों पर शोषण किया जाता है। इस तरह लाखों बच्चे सामाजिक बुराई के शोषण का शिकार होते हैं। बाल श्रम के कारण अनेक विसंगतियां के प्रमाण मिले थे जैसे मानव दुर्व्यवहार, बाल वेश्यावृत्ति जैसे अपराधों में बड़ी संख्या में वृद्धि होती है,और बाल श्रमिकों का जीवन एक दुर्घटना तथा अभिशाप बनकर रह जाता है । समाज के लिए कई परेशानियों का जन्म भी होता है। बाल श्रम करने के पश्चात भी बालकों बालिकाओं को पर्याप्त भोजन नहीं मिलने से वह कुपोषण के भी शिकार होते हैं, और बाद में कई बीमारियों के संवाहक भी बन जाते हैं। जो बालक बालिकाओं की जिंदगी के लिए अत्यंत खतरनाक एवं कष्ट दायक होता है। बाल श्रम रोकने के लिए भारत सरकार द्वारा कई प्रयास किए बाल श्रम उन्मूलन अधिनियम 1986 का यदि कड़ाई से पालन किया जाए तो बाल श्रम को रोका जा सकता है । इसका क्रियान्वयन करने वाली एजेंसियां ही एकदम ढीली एवं संदेशों से परे नहीं है। इन एजेंसियों में नियोजक द्वारा क्रियान्वयन की जाने वाली एजेंसियों के अधिकारियों के साथ भ्रष्टाचार करके इसे लालफीताशाही की चादर ओढ़ा दी जाती है। ऐसे में लाखों बच्चे बाल श्रम की आग में झोंक दिया जाते हैं। भारत में बाल श्रम उन्मूलन अधिनियम 1986 एवं प्राथमिक शिक्षा अधिकार 2009, राष्ट्रीय पोषण मिशन, राष्ट्रीय बाल श्रम निवारण योजनाएं बनाई गई है। इनके क्रियान्वयन में को लेटलतीफी के कारण लाखों बच्चे अभी भी बाल श्रम में उलझे हुए हैं। अपनी जिंदगी को स्वयं अपने कंधों पर ढोने पर मजबूर हो रहे हैं। ऐसे में दुनिया भर की मानव अधिकार संस्थाएं क्यों मौन है। इतने कानून बनने के बाद भी बाल श्रमिकों की संख्या हर वर्ष क्यों बढ़ते जा रही है। यह एक विचारणीय प्रश्न है। बाल श्रमिकों पर जब भी संसद या विधायिका में प्रश्न उठाए जाते हैं तो मानव अधिकार की संस्थाएं क्यों बगले झांकने लगती है। बाल श्रमिक होना और बाल श्रम करवाना दोनों अलग-अलग मुद्दे हैं। बाल श्रमिक मजबूरी के कारण अपनी आजीविका चलाने के लिए बाल श्रमिक बनता है। पर इनको नियोजन में रखने वाली संस्थाओं पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। वरना बाल श्रमिक की विभीषिका दिन दूनी और रात चौगुनी बढ़ती जाएगी और हम हाथ पर हाथ धरे बैठे रहेंगे। बाल श्रमिकों की संख्या को तत्काल रोका जाना चाहिए और इन्हें देश की मुख्यधारा में शामिल किया जा कर देश के विकास में इनका सहयोग लिया जाना चाहिए। अन्यथा आज के ये बच्चे भविष्य के मजबूत नागरिक कैसे बन पाएंगे और एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण कैसे हो पाएगा।

संजीव ठाकुर

समंदर में भारत की ताकत

''जहां शस्त्र बल नहीं
वहां शास्त्र पछताते और रोते हैं
ऋषियों को भी तप में सि?द्धि तभी
मिलती है
जब पहरे में स्वयं धनुंधर राम खड़े
होते हैं।''

भारत कभी भी आक्रमणकारी नहीं रहा। भारत विस्तारवाद नहीं, विकासवाद की भावना से काम करता है। भारत ने हमेशा खुले सुरक्षित समावेशी और समृद्ध दुनिया का समर्थन किया है। हर देश को अपनी सुरक्षा का अधिकार है और भारत भी जल, थल, नभ गहरे समुंद्र और असीम अंतरिक्ष में अपने हितों की सुरक्षा कर रहा है। भारत में भी ऋषि-मुनियों के यज्ञ तभी सफल होते थे जब श्रीराम धनुष लेकर राक्षसों का नाश करते थे। भारत को शास्त्र के साथ-साथ आधुनिक शस्त्रों की भी जरूरत है। भारतीय सेना अपने अदम्य साहस और शक्ति के लिए प्रसिद्ध है। भारतीय सेना देश की रक्षा करने के साथ-साथ मानवता की रक्षा बढ़-चढ़कर करती है। अगर भारतीय सेना का कोई वीर सपूत देश के लिए शहीद होता है तो उसकी शहादत पर आंसू केवल उसका परिवार ही नहीं बहाता बल्कि उसके परिवार के रूप में पूरा देश आंसू बहाता है। जिस तरह की परिस्थितियां वैश्विक स्तर पर बनी हुई हैं उसे देखते हुए सशस्त्र बलों को मजबूत बनाया जाना बहुत जरूरी है। वर्तमान में युद्ध जमीन पर कम आकाश और जल में ज्यादा लड़े जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में भारतीय सेनाओं को किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार किया जा रहा है। भारत और फ्रांस ने 63 हजार करोड़ की राफेल डील पर हस्ताक्षर किए। इस डील के तहत भारतीय नौसेना को 26 राफेल मरीन लड़ाकू विमान मिलेंगे। भारत के पास पहले से ही 36 राफेल विमान हैं। 2016 में ही इन विमानों की खरीद के लिए फ्रांस की कम्पनी के साथ डील हुई थी। भारतीय नौसेना की जरूरतों को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट समिति ने इस सौदे को मंजूरी दी थी। भारत के युद्ध पोतों के नए फाइटर जेट्स की जरूरत महसूस की जा रही थी। रखरखाव संबंध मामलों को लेकर मिग-29 फाइटर जेट अब पहले की तरह काम नहीं कर रहे हैं। फ्रांस ने राफेल मरीन विमानों को युद्ध पोत पर तैनात करने के हिसाब से ही डिजाइन किया है। फ्रांस की सेना पहले से ही इसका इस्तेमाल कर रही है। इस सौदे के साथ ही समुन्दर में ताकत बढ़ाने के चीनी मंसूबे पर भारत ने पानी फेरने का पूरा बंदोबस्त कर लिया है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद नौसेना ने दुश्मनों को कड़ा संदेश देते हुए एक महत्वपूर्ण मिसाइल परीक्षण भी किया था। यह मिसाइल परीक्षण नौसेना ने अपने डिस्ट्रॉयर शिप आईएनएस सूरत से अरब सागर में किया था। नौसेना ने मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल दागी थी। विशेषज्ञों का कहना है कि राफेल-एम मिलने के बाद नौसेना की ताकत कई गुणा बढ़ जाएगी। चीन जिस तरह से हिन्द प्रशांत क्षेत्र में अपनी धौंस जमाने में जुटा हुआ है और भारत पूरे हिन्द महासागर क्षेत्र में अन्य देशों की मदद करने के लिए हाथ बढ़ाने वाले देश के रूप में उभरा है, इसके लिए नौसेना को अति आधुनिक बनाया जा रहा है। इसी वर्ष 15 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तीन प्रमुख नौसैनिक युद्धपोतों आईएनएस सूरत, आईएनएस नीलगिरी और आईएनएस वागशीर को नौसेना के बेड़े में शामिल किए जाने के मौके पर कहा था कि भारत पूरे विश्व और विशेषकर ग्लोबल साऊथ में एक भरोसेमंद और जिम्मेदार साथी के रूप में पहचाना जा रहा है। केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भारतीय सेना को आत्मनिर्भर बनाने में जुटे हुए हैं। पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच स्थितियां तनावपूर्ण हैं। जंग और युद्धाभ्यास के लिए राफेल बहुत खास माना जाता है।

नया राफेल मरीन पिछले राफेल से थोड़ा छोटा है। इसे खासतौर पर इसलिए डिजाइन किया गया है कि विमान वाहक युद्धपोतों से सीधे दुश्मन पर हमला किया जा सके और आसानी से युद्धपोत पर लैंड कर सके। यही वजह है कि राफेल मरीन में लैंडिंग गियर के साथ एयर फ्रेम को पहले से ज्यादा पावरफुल बनाया गया है। इसके फोल्डिंग विंग्स को पावरफुल बनाया गया है। राफेल-एम पाकिस्तान और चीन के फाइटर जेट से बेहतर है। इसे पड़ोसी देश पाकिस्तान के एफ-16 और चीन के जे-20 फाइटर जेट से कहीं ज्यादा पावरफुल बताया गया है। भारत का राफेल मरीन एक मिनट के अंदर 18 हजार मीटर की ऊंचाई में पहुंचने की क्षमता रखता है। इसका कॉम्बेट रेडियस 3700 किमी है। राफेल की तरह राफेल मरीन हवा में ईंधन भरने की क्षमता रखता है। राफेल-एम में एक जंप स्ट्रट नोज व्हील का इस्तेमाल किया गया है, यह टेकऑफ के दौरान फैल जाता है। इसके अलावा इस विमान में बिल्ट इन लैडर (सीढ़ी) होती है जिससे युद्धपोत से विमान के कॉकपिट में पहुंचने का काम आसान होता है। अलग से सीढ़ी नहीं लगानी पड़ती। राफेल-एम में खास तरह के माइक्रोवेव लैंडिंग सिस्टम का इस्तेमाल किया गया है जिसके कारण राफेल और राफेल एम विमान वजन में भी अलग हैं। राफेल के मुकाबले राफेल-एम का वजन थोड़ा ज्यादा है। इसका वजन करीब 10,300 किलो है। भारतीय नौसेना के मिग-29 के फाइटर जेट के साथ राफेल मरीन की तैनाती आईएनएस विक्रमादित्य पर होगी। मिग-29 के फाइटर जेट 65 हजार फीट से अधिक ऊंचाई तक उड़ानें भरने की क्षमता रखता है। यह अत्याधुनिक वेपन सिस्टम से लैस है। हवा, समुंद्र और जमीन पर टार्गेट करके हमला कर सकता है। अब मिग-29 के और राफेल मरीन मिलकर भारतीय नौसेना की ताकत को बढ़ाएंगे और दुश्मनों के इरादों को नाकाम करेंगे। शास्त्र और शस्त्र में बुद्धि और बल का आपसी समन्वय होता है। शास्त्र जीवन के लिए व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करते हैं। शास्त्र जीवन जीना ि?सखाता है और शस्त्र जीवन की रक्षा करना सिखाता है। शस्त्र से शक्ति मिलती है और आज के विश्व में शक्ति से ही सम्मान मिलता है। विष्णु जी का सुदर्शन चक्र, शिवजी का त्रिशूल, ब्रह्मा जी के वेद, देवी मां के हाथों में हथियार शस्त्रों का महत्व ही प्रदर्शित करते हैं। भारतीय सेना आज दुनिया की शक्तिशाली सेना बन गई है।

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

सपा की लोहिया वाहिनी के कार्यक्रम में विवाद, अंबेडकर के चित्र के साथ अखिलेश की फोटो, भाजपा ने किया विरोध प्रदर्शन

सीतापुर जनपद सीतापुर में समाजवादी पार्टी की लोहिया वाहिनी के एक कार्यक्रम में विवाद खड़ा हो गया कार्यक्रम में बाबा साहेब अंबेडकर के चित्र के साथ सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की तस्वीर लगाई गई। इस पर भाजपा ने कड़ी आपत्ति जताई है भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला के नेतृत्व में कार्यकर्ता आरएमपी कॉलेज फील्ड पर एकत्र हुए वहां से विरोध मार्च करते हुए म्युनिसिपल मा स्थित अंबेडकर पार्क पहुंचे कार्यकर्ताओं ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला ने कहा कि समाजवादी पार्टी मानसिक दिवालियापन से गुजर रही है उन्होंने कहा कि पहले भी सपा नेताओं ने बाबा साहेब के बारे में अनर्गल बयान दिए हैं अब उनके चित्र के साथ अखिलेश यादव की तस्वीर लगाकर सीमा पार कर दी है। भाजपा ने सपा से तत्काल माफी मांगने की मांग की है साथ ही भविष्य में ऐसा न करने का लिखित हलफनामा देने को कहा है भाजपा नेताओं ने बाबा साहेब के अपमान के लिए संविधान के तहत कार्रवाई की मांग की है कार्यक्रम में अनुसूचित जाति मोर्चे के जिला अध्यक्ष रामस्वरूप भार्गव, नगर पालिका परिषद की चेयरपर्सन नेहा अवस्थी समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे!!

तेज रफ्तार कार ने दो बाइक को मारी टक्कर दो लोग घायल, वाहन चालक हुआ फरार

सीतापुर लहरपुर कोतवाली क्षेत्र के केशरीगंज बाजार में बुधवार को एक तेज रफ्तार कार ने दो बाइक को टक्कर मार दी हादसे में दो लोग घायल हो गए। कार चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया घायलों की पहचान उमाशंकर मौर्य (29) और दिनेश कुमार (46) के रूप में हुई है दोनों ग्राम नेवादा, कोतवाली देहात के रहने वाले हैं वे हरगांव से लालपुर जा रहे थे दोनों ने हेलमेट नहीं पहन रखा था टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सड़क पर कुछ दूर तक घसीटती चली गई। स्थानीय लोगों ने घायलों को ई-रिक्शा से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया उमाशंकर की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया हादसे के बाद बाजार में एक घंटे से अधिक समय तक जाम लगा रहा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार को अपने कब्जे में लिया स्थानीय लोगों की मदद से जाम को खुलवाया गया पुलिस फरार चालक की तलाश में जुटी है!!

रोजगार सेवक का आकस्मिक निधन

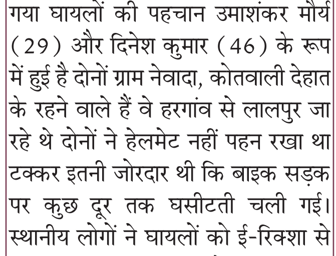

बिसवां विकास खण्ड बिसवां के अंतर्गत ग्राम पंचायत जहांगीराबाद में लंबे समय से सेवाएं दे रहे ग्राम रोजगार सेवक वेद प्रकाश जी का बीती रात आकस्मिक निधन हो गया। मंगलवार को उन्हें पेट दर्द की शिकायत हुई थी, जिसके बाद उन्हें उपचार हेतु लखनऊ ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। अंतिम संस्कार उनके गांव आम गौरिया वसुदहा में किया गया।

आवश्यक सूचना

मैं, संत बक्स सिंह, पुत्र श्री नथिपाल सिंह, निवासी - 190, नहर रोड, नई बाजार, पचपेड़वा, रूजराल, जनपद बलरामपुर (उ.प्र.), सूचित करता हूँ कि मेरी पुत्री अनन्या सिंह (अनुक्रमांक- 23711643), इंटरमीडिएट परीक्षा वर्ष 2024 के प्रमाणपत्र में पिता का नाम संजय सिंह गलत छपा है। जबकि सही नाम संत बक्स सिंह है, जो हाईस्कूल प्रमाणपत्र वर्ष 2022 (अनुक्रमांक- 23214812) में सही दर्ज है। मुझे संत बक्स सिंह के नाम से ही जाना पहचाना जाय।

ब्राह्मण कल्याण समिति द्वारा भगवान परशुराम का जन्म दिवस मनाया गया

स्वतंत्र प्रभात

बाराबंकी। बाबा पंचम दास कुटी दशहरा बाग में भगवान परशुराम प्रकटोत्सव व अक्षय तृतीया का पावन कार्यक्रम ब्राह्मण कल्याण समिति बाराबंकी के तत्वाधान में आचार्य कन्हैयालाल मिश्र व दिलीप मिश्रा एडवोकेट के संयोजन एवं पूर्व विधायक चंद्रशेखर त्रिवेदी की अध्यक्षता में ब्राह्मण कल्याण समिति के अध्यक्ष रमेश चंद्र तिवारी, महामंत्री देश दीपक मिश्रा की उपस्थिति में आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ कलश, गौरी गणेश, नवग्रह, पृथ्वी पूजन, भगवान विष्णु सहस्त्र नाम का हवन जन कल्याण के लिए पंडित सीताकान्त मिश्र ने संपन्न कराया। इस पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण कर तिलक पूजन किया।

ब्राह्मण कल्याण समिति के अध्यक्ष रमेश चंद्र तिवारी व महामंत्री देश दीपक मिश्रा द्वारा भगवान परशुराम का चित्र देकर मंत्री जी को सम्मानित किया गया साथ ही प्राथमिक शिक्षक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील पांडे, अधिवक्ता परिषद के अध्यक्ष कौशल किशोर त्रिपाठी व रामचंद्र मिश्र के साथ वरिष्ठ ब्राह्मणजनों को भगवान परशुराम का चित्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राज्य मंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने उपस्थित ब्राह्मणजनों को संबोधित करते हुए कहा कि ब्राह्मणों को भगवान परशुराम के आदर्शों पर चलने की आवश्यकता है, ब्राह्मणों की त्याग व तपस्या किसी से छुपी हुई नहीं है, इतिहास गवाह है कि महर्षि दाधीच और चाणक्य जैसे अनेक उदाहरण हैं। हम सभी ब्राह्मणों को एकजुट होने की आवश्यकता है और हम सभी ब्राह्मणों को अपने संस्कारों से समाज को नई दिशा देने की जरूरत है जिससे समाज को एक नई दिशा दी जा सकती है।

इस अवसर पर कवियों ने काव्य पाठ भी किया जिसमें प्रमुख रूप से वरिष्ठ कवि श्री राम किशोर तिवारी, विनय शुक्ला, सीताकांत मिश्रा स्वयंभू, साहब नारायण शर्मा, दीपक शुक्ल, अभिषेक शुक्ल, अनंत मिश्रा आदि ने भगवान परशुराम का महिमा मंडन करते हुए अनेक रचनाओं को प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से देव प्रकाश मिश्रा, अखिल भारतीय चाणक्य परिषद के अध्यक्ष अभिषेक शुक्ला एडवोकेट, प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला उपाध्यक्ष श्याम किशोर बाजपेई, सतीश पांडे एडवोकेट, आदित्य दीक्षित, रामू मिश्र, देव प्रकाश मिश्रा, राहुल मिश्रा, पीयूष मिश्रा, ज्ञान प्रकाश पांडे, राघवेंद्र तिवारी, अतुल पांडे, विमलेंद्र तिवारी, संजय अवस्थी, उपेंद्र द्विवेदी, डीके शुक्ला, हरिश्चंद्र शुक्ला, पुरुषोत्तम अवस्थी, श्रीकांत मिश्रा, राकेश अवस्थी, देवराज त्रिपाठी, रुद्र प्रताप अवस्थी, नंदकिशोर मिश्रा, उमेश तिवारी, संतोष मिश्रा, राजेश अवस्थी, अंकित द्विवेदी आदि उपस्थित ब्राह्मणों ने कार्यक्रम में सहभागिता का निर्वाहन किया।

इंडियन बैंक के द्वारा जागरूकता मेला सम्पन्न

लखनऊ- इंडियन बैंक के द्वारा एस एच जी (स्वयं सहायता समूह) का जागरूकता मेला आयोजित किया गया। बुधवार को माल ब्लॉक की पंचायत सस्पन के टीकर गांव में इंडियन बैंक शाखा सस्पन के द्वारा (स्वयं सहायता समूह) एस एच जी जागरूकता अभियान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अचल कार्यालय प्रमुख अचल प्रबंधक राजेश कुमार ने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर माल ब्लॉक की दर्जनों समूह सखी को संबोधित करते हुए अचल प्रमुख ने एस एच जी के पंचसूत्रों को ध्यान करते हुए समूह के लाभ तथा बैंकों द्वारा ऋण की सहायता का उल्लेख किया। साथ ही इस मौके पर शाखा प्रबंधक अनिल कुमार ने संबोधित करते हुए आश्वासन दिया कि जो भी एस एच जी पंचसूत्रों का पालन कर रहा है।तथा ऋण या अन्य किसी सहायता का इच्छुक है,तो इंडियन बैंक शाखा सस्पन से निराश होकर नहीं जाएगा।आयोजना का समापन ऊर्जा के साथ हुआ।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ का धरना 1 मई 2025 को संपन्न होगा

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 30 अप्रैल, 2025 उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेशव्यापी संघर्ष के अन्तर्गत कल दिनांक 01 मई, 2025 को लखनऊ के उप-शिक्षा निदेशक, लखनऊ मंडल के कार्यालय पर मध्यान्ह 12 बजे से धरना होगा और धरना के समापन अवसर पर सायं 03 बजे, उप-शिक्षा निदेशक के माध्यम के मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया जाएगा। संगठन के प्रादेशिक उपाध्यक्ष डा0 आर0पी0 मिश्र एवं मण्डलीय मंत्री जगजीवन प्रसाद शुक्ल ने बताया कि मुख्यमंत्री को प्रेषित किए जाने वाले ज्ञापन में प्रमुख रूप से पुरानी पेन्शन की बहाली, चयन बोर्ड अधिनियम की सेवा सुरक्षा सम्बन्धी धारा 21 की बहाली, निःशुल्क चिकित्सा सुविधा, वित्तविहीन विद्यालयों के शिक्षकों को समान कार्य के लिए समान वेतन आदि मांगे सम्मिलित होगी। इसी के साथ उप-शिक्षा निदेशक, षष्ठ मण्डल को प्रेषित ज्ञापन में लखनऊ मण्डल के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं से सम्बन्धित मागें-31 मार्च, 2025 को सेवानिवृत्त होने वाले शेष शिक्षकों को पेन्शन की स्वीकृति एवं जी0पी0एफ का भुगतान, वर्ष 2006 से वर्ष 2015 तक 30 जून को सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षक/शिक्षिकाओं को एक नोशनल वेतनवृद्धि का लाभ, मृतक आश्रितों की पेन्शन पुनरीक्षण, उप-शिक्षा निदेशक कार्यालय में प्रभावी ढंग ग से सिटीजन चार्टर लागू किया जाना आदि सम्मिलित हैं। शिक्षक नेताओं ने बताया कि धरने में लखनऊ मण्डल के लखनऊ, हरदोई, सीतापुर, रायबरेली और लखीमपुर एवं उन्नाव जनपदों के पदाधिकारी एवं सक्रिय कार्यकर्ता सम्मिलित होगे।

फांसी के फंदे पर लटक कर शिक्षक की पत्नी ने किया सुसाइड घर में मचा कोहराम, रात भर फंदे से लटका रहा शव

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर जनपद सीतापुर के हरगांव थाना क्षेत्र के शिव नगर मोहल्ले में एक शिक्षक की पत्नी ने आत्महत्या कर ली मृतका की पहचान कल्पना (32) के रूप में हुई है वह शिव सेवक दीक्षित की पत्नी थीं जो मूल रूप से ग्राम पंचायत रीछिन के निवासी हैं। कल्पना ने बीती रात मकान के नीचे बने कमरे में साड़ी से फंदा लगाकर जान दे दी सुबह परिजनों ने कमरे का दरवाजा बंद देखा तो हरगांव पुलिस को सूचना दी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दरवाजा खोला और सीतापुर से फोरेंसिक टीम को बुलाया जनपद लखीमपुर से मायके पक्ष के लोगों के पहुंचने के बाद शव को नीचे उतारा गया। हरगांव थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार पांडेय ने बताया कि तहरीर और पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद मुकदमा दर्ज किया जाएगा महिला रात भर फांसी के फंदे पर लटकी रही परिजनों ने दोपहर 12 बजे पुलिस को सूचना दी स्थानीय लोगों के अनुसार, मायके पक्ष को भी रात में ही घटना की जानकारी दे दी गई थी पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी!!

तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से युवक की दर्दनाक मौत, परिजनों में मचा कोहराम

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज। लखनऊ, राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 20 वर्षीय युवक की जान चली गई। यह हादसा तब हुआ जब युवक अपनी मोटरसाइकिल से दवा लेने के लिए जा रहा था। मृतक की पहचान सचिन रावत पुत्र कृपाशंकर रावत निवासी ग्राम रायपुर, मजरा कोडरा रायपुर, थाना कोतवाली मोहनलालगंज के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार दिनांक 28 अप्रैल 2025 को सुबह लगभग 7:50 बजे सचिन रावत अपनी मोटरसाइकिल से दवा लेने के लिए भदेसुवा की ओर निकला था। जब वह राज किशोर तिवारी के खेत के पास पहुंचा, तभी सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्रैक्टर भूसा लादे हुए था और उसमें कोई लाइट नहीं लगी थी। चालक की पहचान संदीप कुमार उर्फ नन्हके पुत्र राम सहारे बाजपेयी निवासी ग्राम रायपुर के रूप में की गई है।

ट्रैक्टर चालक की लापरवाही और तेज गति से वाहन चलाने के कारण सचिन की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद आरोपी चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।मृतक की मां सोनी देवी ने घटना की तहरीर कोतवाली मोहनलालगंज में दी है,

जिसमें उन्होंने ट्रैक्टर चालक पर लापरवाही से वाहन चलाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।इस हादसे से गांव में शोक की लहर दौड़ गई है और मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सचिन घर का इकलौता बेटा था और उसकी आकस्मिक मौत ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है।

बिजली कर्मचारियों के छंटनी पर आक्रोश संविदा कर्मियों ने अधिकारियों को सौंपा ज्ञापन, बोले छंटनी हुई तो रुकेगी बिजली सप्लाई

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर लहरपुर स्थित विद्युत उपखंड कार्यालय पर बुधवार को संविदा कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया कर्मचारियों ने अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड के माध्यम से उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। कर्मचारियों का कहना है कि वे पिछले कई वर्षों से विद्युत उपकेंद्र पर आउटसोर्सिंग के माध्यम से काम कर रहे हैं उन्हें जानकारी मिली है कि उनकी छंटनी की जा रही है कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि अगर किसी भी कर्मचारी की छंटनी की गई तो सभी लोग काम बंद कर देंगे।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि छंटनी रोकने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए उन्होंने कहा कि अगर विद्युत व्यवस्था प्रभावित होती है तो इसकी जिम्मेदारी अधिकारियों की होगी प्रदर्शन में रफीक अंसारी, संतोष कुमार, उमेश कुमार, चंद्र मोहन कृष्णा, संदीप कुमार, मोहम्मद मुकीम, मोहम्मद ओसामा, इरफान अली समेत बड़ी संख्या में संविदा कर्मचारी मौजूद थे!!

विद्युत संविदा कर्मियों ने की हड़ताल उपखंड अधिकारी को सौंपा मांग पत्र

स्वतंत्र प्रभात

मिश्रिख(सीतापुर) विद्युत विभाग में बीते 15 वर्षों से निरंतर कार्य करते चले आ रहे आउटसोर्सिंग संविदा श्रमिकों को कार्य से बाहर करने की प्रक्रिया का घोर विरोध करते हुए मिश्रिख विद्युत उपकेंद्र के दर्जनों संविदा कर्मियों ने आज 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र पर जोरदार प्रदर्शन करते हुए अनिश्चितकालीन कार्य हड़ताल शुरू कर दी है। इन हड़ताली कर्मचारियों ने मिश्रिख के विद्युत उपखंड अधिकारी को एक मांग पत्र सौंप कर प्रदेश सरकार तक पहुंचाने और उचित कार्यवाही किए जाने की मांग की है। हड़ताली संविदा कर्मियों का आरोप है। कि वह लोग बीते15 वर्षों से विभाग में नियमित कर्मचारियों के रूप में कार्य करते चले आ रहे हैं। उनके कार्य लगन के कारण ही पूरी तरह से विद्युत लाइन लास काम हुआ है। जब तक उप केंद्र को बिजली मिलती है। तब तक लाइनों में उसका निर्वाध संचालन होता है। छोटी से छोटी शिकायत आने पर वह दिन-रात दौड़कर उसे शीघ्र ठीक करने का कार्य करते हैं। जिससे विभाग और सरकार की छबि जनता में खराब होने से बच सके। इन हड़ताली कर्मियों का कहना है। कि नियमित 8 घंटे की ड्यूटी होने के बावजूद भी वह 24 घंटे कार्य करते हैं। बीते दो मांह से उन लोगों को वेतन भी नहीं दिया गया है। जिससे उनके परिवार भुखमरी की कगार पर आ गए हैं। और अब उन्हें कार्य से हटाकर

बेरोजगार करने की भूमिका बनाई जा रही है। यह सबका साथ सबका विकास का कैसा सरकारी दावा है। मांमले में पूछने पर उपखंड अधिकारी शैलेंद्र कुमार पांडेय ने बताया है। कि जो प्रक्रिया अपनाई जा रही है। उससे हम सब लोगों का कोई लेना-देना नहीं है। शासकीय निर्देश के तहत कार्य करना हमारी मजबूरी है। दूसरी तरफ मिश्रित नैमिषारण्य विद्युत उप केंद्र के तहत मढिया, आंट, विश्व बैंक, रामकोट, मिश्रिख नगर व देहात फीडर सहित 373 गांवों में सुचारू रूप से बिजली संचालन का कार्य भार संविदा कर्मियों के ऊपर ही है। जिनमें विद्युत आपूर्ति पहुंचाने का दायित्व संविदा कर्मियों के ऊपर ही निर्भर करता है। उनकी मेहनत के कारण विद्युत लाइन संबंधी शिकायतों का आना प्राय बंद हो गया है। आखिरकार हम लोगों के कार्य का किस तरह से आंकलन किया गया है। इन संविदा कर्मियों ने खुले आम चेतावनी दी है। कि शुरू की गई मनमानी छटनी प्रक्रिया अगर बंद न की गई। तो हम सब लोग बेरोजगार होने से बचने के लिए माननीय उच्च न्यायालय ही नहीं उच्चतम न्यायालय तक का दरवाजा खटखटाएगे और स्वयं तथा परिवार की रोजी-रोटी के लिए हर संभव संघर्ष करेंगे। इस अवसर पर रमेश कुमार, जितेंद्र कुमार, मासूम अली, कपिल कुमार, दीपू, अनुपम कुमार, शाहबाज बनो, रीना देवी, राम प्रकाश, राजेंद्र सिंह, भोजपाल, शाहनवाज, फैसल खान, कलीम खान, प्रदीप राठौर, आशीष द्विवेदी, शैलेंद्र, मोहसिन खान, अमित कुमार पांडेय, अनूप कुमार, रमाकांत, सुजीत, राधे श्याम, संदीप पाल, मुस्ताक खां, नरेश कुमार यादव, आसिफ, अतुल कुमार, मदन, आशीष मिश्रा, निखिल तिवारी, रौनक तिवारी, अजय प्रताप, अमर सिंह, रामसेवक, अरुण कुमार तिवारी, विनीत कुमार, मुकेश कुमार, हनुमान आदि एक सैकड़ा तक संविदा कर्मी उपस्थित रहे।

मंसाराम प्रांगण में अक्षय तृतीया के अवसर पर भगवान परशुराम मंदिर का किया गया नीव पूजन

स्वतंत्र प्रभात

बिसवां/सीतापुर मंसाराम प्रांगड़ में अक्षय तृतीया के अवसर पर भगवान परशुराम मंदिर का नींव पूजन किया गया। पंडित शिवकुमार अवस्थी और सुबोध अवस्थी के मार्गदर्शन में विधिवत पूजन और हवन संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रकाश चंद्र सरस्वती ने ब्राह्मण समाज को एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने समाज के उत्थान और संगठन पर विशेष बल दिया। महंत संतोष दास ने बताया कि मंदिर का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा होगा। मंदिर निर्माण के बाद यहां विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने में महंत बजरंगदास और महंत कृष्णचारी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। समारोह की शुरुआत भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुई। कार्यक्रम का संचालन मुकुट बिहारी वाजपेई ने किया। इस अवसर पर अश्विनी त्रिपाठी, बबलू मिश्रा, अंशुल बाजपेई, विकास चतुर्वेदी और कमलेंद्र बाजपेई सहित कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे। कस्बे के खंभेश्वर नाथ मंदिर पर भी भगवान परशुराम जन्मोत्सव मनाया गया। इस दौरान मुन्ना

शुक्ला, बच्चू अवस्थी, गोपाल मिश्रा, पंकज मिश्रा, विजय शंकर, संजीव बाजपेई, रामसागर शुक्ल और कमलेश मिश्रा सहित अन्य श्रद्धालु मौजूद रहे।

मातृशक्ति के देश के विकास में योगदान को भुलाया नहीं जा सकता- प्रियंका रावत

स्वतंत्र प्रभात

हरदोई जेके पब्लिक स्कूल में एक राष्ट्र एक चुनाव पर महिला समागम श्रीमती अनुराधा मिश्रा के संयोजकत्व में संपन्न हुआ। प्रदेश महामंत्री श्रीमती प्रियंका रावत ने कहा कि देश की आजादी में मातृ शक्ति का कितना योगदान रहा है उनके योगदान को कोई भुला नहीं सकता है। मातृशक्ति को ऐसे वक्त पर इस चिंतन की आवश्यकता है कि हम हिंदुस्तानी हैं हमारी देश के विकास में क्या भूमिका हो सकती है जहां मातृशक्ति हर एक विधा में अपना महत्वपूर्ण प्रदर्शन कर रही हैं, पारिवारिक निर्वहन के बाद वे इस चर्चा को गुणित अनुपात में अपने लोगों के बीच रखकर क्यों जरूरी है इस बात पर चिंतन करने के लिए समझाना चाहिए। हमारा देश विकसित बने ,सशक्त बने ,इसमें प्रधानमंत्री जी के बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के नारे को शाश्वत करते हुए इसमें लग जाना चाहिए। मातृ शक्तियां राष्ट्र की प्रगति में सहायक सिद्ध हों,आंतरिक और वाह्य सुरक्षा की चिंता प्रधानमंत्री जी को है लेकिन हम सब मातृ शक्तियों को अपने पारिवारिक निर्वाहन का पालन करते हुए इस ओर एक चुनाव कराने की आवश्यकता और अनिवार्यता को समझाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करें। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही श्रीमती कीर्ति सिंह ने

कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव हमारी सम सामयिक आवश्यकता है। पहलगाम की घटना ने हमारी बहनों का सिंदूर मिटा दिया, ऐसे अलगाववादी आतंकी लोगों को का बहिष्कार करना चाहिए ।समय संसाधन और विकासशील प्रक्रिया को गति देने में एक राष्ट्र एक चुनाव का सभी समर्थन करते हैं केवल वही विरोध करते हैं जिन्हें विरोध करने की आदत सी बन गई है उन्होंने मात्र शक्तियों से एक राष्ट्र एक चुनाव को जन-जन में चर्चा का विषय बनाने,इसकी अनिवार्यता पर चर्चा करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम की शुरुआत में कार्यक्रम की संयोजिका श्रीमती अनुराधा मिश्रा ने एक राष्ट्र एक चुनाव पर कहा कि इसका विरोध वही लोग कर रहे हैं जो हमेशा से हर एक सामाजिक परिवर्तन में विरोध करते रहते हैं एक चुनाव से संसाधनों और समय की बचत होगी ,जब एक देश, एक संविधान है तो एक चुनाव क्यों नहीं होना चाहिए संत विवेकानंद एकेडमी की अध्यक्षा श्रीमती सुजाता ने कहा कि एक चुनाव होने से सरकार को नीतिगत निर्णय लेने में देरी नहीं होगी। आर्थिक बोझ कम पड़ेगा समय की बचत होगी। जिला पंचायत अध्यक्षा श्रीमती प्रेमावती पी के वर्मा ने कहा कि देश में वर्षभर कोई ना कोई चुनाव चलते रहते हैं इससे विकास कार्यों में अवरोध होता है आर्थिक संसाधनों का दोहन और समय की बचत के लिए एक राष्ट्र एक चुनाव आवश्यक है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने जो विचार आपके सामने लाए हैं उसका जनमत बनाकर समर्थन करना है।अंत में आए हुए सम्मानित जनों महिलाओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रबुद्ध प्रकोष्ठ के संयोजक अविनाश मिश्रा, जिला महामंत्री सत्येंद्र राजपूत, जिला मीडिया प्रभारी गंगेश पाठक, नीतू चंद्रा, राजीव मोहन अवस्थी, श्रीमती समता अवस्थी, श्रीमती शोभना सिंह, सुहाना जैन, परीशा तिवारी, प्रियंका सिंह, मधुबाला गुप्ता समेत कई मातृ शक्तियां उपस्थिति रही।

श्री कृष्ण जन्म सेवा दल ने आयोजित किया 103 वाँ हनुमान मंगल पाठ

● मंगलपाठ से पूर्व पहलगाम में शहीद हुए हिंदू भाइयो के लिए रखा गया दो मिनट का मौन

स्वतंत्र प्रभात

हरदोई। श्री हरि के प्रिय भक्त प्रहलाद की जन्म व् कर्म पावन भूमि हरदोई में मंगल पाठ के अवसर अपने निरंतर एक सौ तीन वे मंगलपाठ के क्रम में श्री कृष्ण जन्म सेवा दल के सदस्यों ने भक्त प्रहलाद नगरी हरदोई के कई मंदिरो में एक साथ धार्मिक आयोजन कर माहौल को भक्ति मय कर दिया। आज श्री कृष्ण जन्म सेवा दल के सदस्यों ने श्री बैजनाथ धाम, श्री शिव श्याम परिवार मंदिर कांशीराम कालोनी, श्री खाटू श्याम मंदिर रेलवेगंज, श्री हनुमान मंदिर कमालगंज, श्री महादेव मंदिर ग्राम काईमाऊ, श्री महावीर मंदिर गंज जलालाबाद मल्लावां में हनुमान चालीसा, अष्टक व् आरती कर माहौल को भक्ति पूर्ण बना दिया। महिला प्रकोष्ठ जिला प्रमुख विनीता पांडे के नेतृत्व में श्री बैजनाथ धाम सरायथोक में बहनों ने काफी संख्या में भाग लेकर हनुमान चालीसा, सुंदर कांड व् आरती के साथ हनुमान जी के भजनो का गुणगान किया। इस अवसर पर जिला महिला प्रभारी विनीता पांडेय ने कहा कि पहलगाम में हिंदू परिवारों पर हमला पूरे हिंदुस्तान के हिंदुओं को चुनौती है अब भी वक्त है हमे सोई हुई अलसाई नींद से जागना होगा।इस अवसर पर शहीद हुए हिंदू भाइयो की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। इस मौके पर महिला संगठन की संयोजक अनीता मिश्रा, पुष्पा मिश्रा, बॉबी ओमर, अलका गुप्ता, अमृता सिंह, नीलम गुप्ता, बीना त्रिपाठी, रंजना मिश्रा, अर्चना दुबे, सोनिका गुप्ता, शशि गुप्ता, रामवती देवी, सोनू गुप्ता मिंटू गुप्ता, अमृता सिंह, संगीता गुप्ता, सुमन गुप्ता, अनुराधा गुप्ता, चन्दा पांडेय, आर्या गुप्ता, मोनिका गुप्ता, विद्या पांडेय, आरती गुप्ता, राधा गुप्ता, आरती मिश्रा, रानी शुक्ला आदि बहनों समेत भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे। कांशीराम कालोनी में श्री शिव श्याम मंदिर में युवा प्रभारी संध्या श्रीवास्तव के नेतृत्व में काफ़ी संख्या में लोगो ने मंगल पाठ में भाग किया।

महिला प्रभारी मंजू गुप्ता के नेतृत्व में श्री खाटू श्याम मंदिर रेलवे गंज में गायक पंकज गुप्ता एव अपूर्व गुप्ता ने सभी को हनुमान चालीसा, हनुमान अष्टक का पाठ करवाया।मंदिर पंडित रवि मिश्रा व अनिरुद्ध तिवारी ने पूजा अर्चन कराया। इस अवसर पर भजन गायक वेद प्रकाश गुप्ता राजू ने एक से बढ़कर एक भजन राम भी आना हनुमत भी आना, हनुमत संग पधारो श्री राम हमारे कीर्तन में, पकड़ लो हाथ बनवारी नहीं तो डूब जायेगे, दीननाथ मेरी बात, जब जब संकट कोई गहरा होता है आदि भजन सुना लोगो को झूमने पर मजबूर कर दिया इस मौके पर विजय अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, बहादुर बेटियाँ फाउंडेशन की जिला अध्यक्ष रेशमा गुप्ता, नीलम जिंदल, अंशिका अग्रवाल, मुस्कान अग्रवाल, अवध राज, अक्षत गुप्ता, सचिन शुक्ला, आदित्य सिंह, मोहित शुक्ल, संदीप श्रीवास्तव, गौरव गुप्ता, शोभित गुप्ता, आस्था श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे। ग्राम काईमाऊ में युवा प्रभारी सुमित तिवारी के नेतृत्व में मंगल पाठ हुआ।मल्लावां में आकाश गुप्ता व् वंश कटियार के नेतृत्व में काफी संख्या में मौजूद लोगो ने सामूहिक मंगल पाठ किया।

जयशंकर का डिप्लोमैटिक एक्शन, UNSC के 7 अस्थायी सदस्य देशों से की बात, जानें कैसे फंसेगा पाकिस्तान

● जयशंकर ने अल्जीरिया, ग्रीस, गुयाना, पनामा, स्लोवेनिया, सिएरा लियोन और सोमालिया के विदेश मंत्रियों से संपर्क किया और उन्हें हमले की प्रकृति और इसके व्यापक प्रभावों के बारे में जानकारी दी। इस बातचीत को भारत की रणनीतिक कूटनीतिक पहुंच के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है, जिसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय सहमति बनाना और आतंकवाद का समर्थन करने वालों को अलग-थलग करना है।

स्वतंत्र प्रभात

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले के मद्देनजर, जिसमें 26 नागरिकों की जान चली गई, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के सात अस्थायी सदस्य देशों के अपने समकक्षों के साथ महत्वपूर्ण टेलीफोन पर बातचीत की। 22 अप्रैल के हमले पर भारत की संभावित प्रतिक्रिया के बारे में बढ़ती वैश्विक चिंता और अटकलों के बीच यह चर्चा हुई। जयशंकर ने अल्जीरिया, ग्रीस, गुयाना, पनामा, स्लोवेनिया, सिएरा लियोन और सोमालिया के विदेश मंत्रियों से संपर्क किया और उन्हें हमले की प्रकृति और इसके व्यापक प्रभावों के बारे में जानकारी दी। इस बातचीत को भारत की रणनीतिक कूटनीतिक पहुंच के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है, जिसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय सहमति बनाना और आतंकवाद का समर्थन करने वालों को अलग-थलग करना है।

यह घटनाक्रम यूएनएससी द्वारा पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की निंदा करने वाले बयान के कुछ दिनों बाद हुआ, लेकिन इससे पहले चीन द्वारा समर्थित पाकिस्तान ने इसे कमज़ोर करने का काम किया। विदेश मंत्री को यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का भी फोन आया और उन्होंने उन्हें इस हमले के अपराधियों, योजनाकारों और समर्थकों को न्याय के कटघरे में लाने के भारत के संकल्प से अवगत कराया। गुटेरेस के साथ बातचीत के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में जयशंकर ने कहा कि पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की उनकी स्पष्ट निंदा की सराहना करता हूं। जवाबदेही के महत्व पर सहमत हूं। भारत का संकल्प है कि इस हमले के अपराधियों, योजनाकारों और समर्थकों को न्याय के कटघरे में लाया जाए। यूएनएससी के सात गैर-स्थायी सदस्य देशों के अलावा, जिनसे विदेश मंत्री ने संपर्क किया, शक्तिशाली निकाय के अन्य सदस्य डेनमार्क, ग्रीस और पाकिस्तान हैं।

हमले पर 25 अप्रैल के अपने बयान में, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने इसकी कड़े शब्दों में निंदा की तथा पुनः पुष्टि की कि आतंकवाद अपने सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए "सबसे गंभीर" खतरों में से एक है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी, जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय और इटली के प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी समेत कई विश्व नेताओं ने भी मोदी से फोन पर बात कर हमले की निंदा की। जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा, यूएई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान, ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन, श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके, डच पीएम डिक स्कोफ, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वेंस, ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बानीज और नेपाल के पीएम केपी शर्मा ओली ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की।

पीआर श्रीजेश को पद्म भूषण और आर अश्विन को पद्मश्री अवार्ड से किया गया सम्मानित

पीआर श्रीजेश को सोमवार को पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जबकि भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को पद्मश्री पुरस्कार दिया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में एक समारोह के दौरान श्रीजेश और अश्विन को सम्मानित किया।

स्वतंत्र प्रभात

भारतीय हॉकी के पूर्व खिलाड़ी पीआर श्रीजेश को सोमवार को पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जबकि भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को पद्मश्री पुरस्कार दिया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में एक समारोह के दौरान श्रीजेश और अश्विन को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और पीएम मोदी भी मौजूद रहे। श्रीजेश और अश्विन को ये सम्मान खेल में उत्कृष्ट योगदान के लिए मिला है। बता दें कि, गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर केंद्र सरकार ने 2025 के लिए पद्म पुरस्कारों की घोषणा की थी जिसमें श्रीजेश और अश्विन का नाम भी शामिल था।

अश्विन ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था। वह भारत के सफल स्पिनरों में शामिल हैं। अश्विन ने टेस्ट में भारत के दूसरे सबसे सफल गेंदबाज के तौर पर अपना करियर समाप्त किया। 106 टेस्ट मैचों में अश्विन ने 537 विकेट झटके और वह बस पूर्व स्पिनर अनिल कुंबले से पीछे थे जिन्होंने अपने टेस्ट करियर में 619 विकेट लिए हैं। अश्विन फिलहाल आईपीएल 2025 में हिस्सा ले रहे हैं और इस सीजन चेन्नी सुपर किंग्स का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

टटलू बाजी से खूब बनाई संपत्ति, अब हो गई कुर्क

गैंगस्टर टटलूबाज सलीम जाफर की 41.25 लाख की संपत्ति कुर्क हुई

मथुरा। टटलूबाजी से खूब संपत्ति बनाई। अब इसे कुर्क कर लिया गया है। गैंगस्टर टटलूबाज की 41.25 लाख रुपये की संपत्ति कुर्क की गई है। सलीम जाफर सोने की ईंट के नाम पर टटलू काटता था। मथुरा पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में वांछित आरोपी सलीम जाफर की 41 लाख 25 हजार रुपये की अचल संपत्ति को कुर्क कर लिया है। आरोपी पर नकली सोने की ईंट दिखाकर लोगों से धोखाधड़ी करने का आरोप है। कोसीकलां पुलिस ने बरसाना थाना क्षेत्र के गांव हाथिया निवासी सलीम जाफर के खिलाफ यह कार्रवाई की। आरोपी ने अपने पांच साथियों के साथ मिलकर यह अपराध किया था। इन साथियों में शकील, जुगेंद्र उर्फ जग्गू, धर्मेंद्र, अलीशेर उर्फ अल्ली और गिर्राज शामिल हैं। पुलिस ने आरोपी की हाथिया में स्थित संपत्ति को कुर्क किया है। इसमें 803.61 वर्गमीटर भूमि शामिल है, जिसकी कीमत 16.25 लाख रुपये है। इस जमीन पर बना मकान 25 लाख रुपये का है। मकान में 4 कमरे, बरामदा, आंगन और शौचालय स्नानघर हैं। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा के निर्देश पर की गई। नायब तहसीलदार जयंती मिश्रा, प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार निर्वाल, अपराध निरीक्षक चेतराम शर्मा और राजस्व निरीक्षक हरीश चंद्र के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह अभियान चलाया।

प्रतिबंधित प्लास्टिक को लेकर किया जागरूक

नगर निगम की टीम ने कार्यवाही करते हुए किया जुर्माना

प्रतिबंधित प्लास्टिक को लेकर आमजन को जागरुक करती नगर निगम की टीम।

मथुरा। शासन द्वारा निकायों में प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं पॉलीथिन के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए प्रतिबंधित पॉलीथिन के प्रयोग की रोकथाम के दृष्टिगत निरंतर कार्यवाही किए जाने एवं प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग की रोकथाम के लिए व्यापक प्रचार प्रसार करने के लिए निर्देशित किया गया है। नगर आयुक्त शशांक चौधरी के द्वारा भी नगर निगम मथुरा वृंदावन क्षेत्र अंतर्गत प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक एवं पॉलीथिन के विरुद्ध निरंतर कार्यवाही करने हेतु निर्देश प्रदान किए गए हैं। इसी क्रम में सहायक नगर आयुक्त कल्पना सिंह चौहान, ज़ोनल प्रभारी औरंगाबाद के निर्देशन में नगर निगम की टीम द्वारा प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध कार्यवाही की गई नगर निगम की टीम द्वारा आज पुलिस लाइन जेल रोड पर प्रतिबंधित पॉलीथिन एवं गंदगी के विरुद्ध अभियान चलाया गया। कार्यवाही में 2700 रुपये का जुर्माना वसूला गया। कार्यवाही के दौरान क्षेत्रीय सफाई निरीक्षक, ईटीएफ की टीम सहित, पुलिस लाइन चौकी से क्षेत्रीय पुलिस निरीक्षक एवं अन्य पुलिस कर्मियों के साथ नगर निगम के कर्मी भी उपस्थित रहे।

योग की कर्ण मुद्रा का हुआ लोकार्पण

सिद्धार्थनगर। उसका बाजार नगर पंचायत के मथुरा नगर वार्ड के बाईपास तिराहे पर बुधवार की शाम को अष्टधातु से निर्मित योग की कर्ण मुद्रा का लोकार्पण डा. राजा गणपति आर व अध्यक्ष मंजू जायसवाल की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि सांसद जगदंबिका पाल ने किया। सांसद ने कहा कि इस कर्ण मुद्रा का लोकार्पण कस्बा के लिए एक नई पहचान होगी और योग के लिए सभी को प्रेरित भी करेगी। यह लोगों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करेगा। सदर विधायक श्याम धनी राही ने कर्ण मुद्रा को आकर्षण का केंद्र बताया है। नगर पंचायत अध्यक्ष मंजू जायसवाल और इनके प्रतिनिधि हेमन्त कुमार जायसवाल ने नगर के विभिन्न विकास कार्यों को बताते हुए सांसद से कस्बा के कूड़ा नदी व्यवसायिक विकास के लिए एक पुल स्थापना की मांग की। साथ ही बाईपास एन एच सड़क को कस्बा से जोड़ने की मांग की। इस अवसर पर डीएम डा. राजा गणपति आर, सीडीओ जयंत कुमार ने भी संबोधित किया ज्वाइंट मजिस्ट्रेट आयुष अग्रवाल, ईओ अभिनव श्रीवास्तव, सभासद मयंक पाण्डेय, राजेश श्रीवास्तव, अयोध्या शाहू, सूरज मोदनवाल, कल्लू, विभूति अग्रहरि, अंगद साहनी, आशीष शुक्ला, विनोद वर्मा, रणजीत सिंह, सुजीत अग्रहरी, दिलीप, श्रीधर पाण्डेय, सोमनाथ मिश्र, सुरेंद्र पाण्डेय, हेमचंद सिंह, राकेश आर्या, सच्चिदानंद चौबे, सुनील जायसवाल, राजधर पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

एक साल से मथुरा पुलिस को छका रहा था शातिर शौकत

● मुठभेड़ के दौरान दोनों पैरों में लगी गोली, पुलिस अस्पताल में कराया भर्ती

मुठभेड़ स्थल पर मौजूद पुलिस टीम।

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। थाना जैंत क्षेत्र में मंगलवार की देर रात एसओजी, स्वाट और जैंत पुलिस की गौ तस्कर से मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में हरियाणा के नूंह का रहने वाला तस्कर दोनों पैर में गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने घायल गौ तस्कर को गिरफ्तार कर इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करा दिया। इस बदमाश पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था इसको 11 महीने से तलाश किया जा रहा था। बताया जाता पिछले साल 23 मई 24 को पुलिस रात में चैकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक कंटेनर संख्या एचआर 38 वी 2560 आता दिखाई दिया। नेशनल हाईवे पर पुलिस ने जब इसे रोकने का प्रयास किया तो इसने बैरियर को तोड़ दिया और कोटा गांव से बाजना गांव की तरफ भागने लगा। पुलिस को पीछा आता देख कटेनर से सवार तस्कर कंटेनर को छोड़ कर भाग गए जिसमें से पुलिस को 11 जिंदा और 19 मृत गौवंश मिला था। फरार गौ तस्कर की पहचान 35 वर्षीय शौकत मेव पुत्र शहाबुद्दीन निवासी सालाहेड़ी सदर नूंह हरियाणा के रूप में की गई। शौकत की तलाश में स्वाट और एसओजी की टीम को भी लगाया गया था। मंगलवार की देर रात शौकत की लोकेशन पुलिस को थाना जैंत क्षेत्र में मिली। जिसके बाद एसओजी, स्वाट और थाना जैंत पुलिस लोकेशन पर पहुंच गई। जहां शौकत मेव गौ तस्करी की तलाश में बाइक से आता दिखाई दिया। शौकत ने पुलिस को देखते ही एक के बाद एक 3 फायर कर दिए। जिसके बाद पुलिस ने भी फायरिंग की जिसमें उसके दोनों पैर में गोली लग गई और वह घायल हो गया। इलाज के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। शौकत मेव के पास से तमंचा के अलावा मोटर साइकिल और गौ तस्करी के लिए लाई गई रस्सी व मोहरे बरामद हुए है।

मथुरा में जमीनों की रजिस्ट्री नहीं होगी कल

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में कातिबों ने किया काम बंद रखने का आवाहन

मथुरा। पहलगाम आतंकवादी हमले के विरोध ब्रज में उबाल है। एक ओर व्यापारियों ने कल मथुरा बंद रखने का आवाहन किया है। वहीं मथुरा बंद आह्वान का समर्थन करते हुए सभी कातिबों ने रजिस्ट्री आफिस में एक मई (कल) काम बंद रखने का ऐलान किया है। दस्तावेज लेखक निबंधन समिति के पदाधिकारियों ने कल काम नहीं करने के संबंध में आज उपनिबंधक सदर अजय त्रिपाठी को पत्र भी सौंपा है। समिति के अध्यक्ष सुरेश चौधरी, संरक्षक सोहनलाल शर्मा, सचिव केके चौधरी, उपाध्यक्ष रामकिशन पाठक एड, प्रेम सिंह, द्वारकाप्रसाद, शर्मा, कोषाध्यक्ष अनिल चतुर्वेदी ने कल मथुरा बंद का समर्थन करते हुए कहा है कि मथुरा वृंदावन क्षेत्र की रजिस्ट्री संबंधी कोई कार्य नहीं किया जाएगा।

चिलचिलाती धूप में खलिहान छोड़ तहसील के गेट पर बैठे किसान

● भाकियू सुनील ने बैनर तले किसानों ने किया धरना प्रदर्शन

तहसील पर प्रदर्शन करते किसान।

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। चिलचिलाती धूप में किसान खलिहान छोड़ कर तहसील गेट पर बैठे हैं। किसानों का कहना है कि अधिकारी उनकी बात तक सुनने को तैयार नहीं है, उनकी मांगों पर काम करना तो दूर की बात है। भारतीय किसान यूनियन सुनील द्वारा किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर मांट तहसील के गेट पर मंगलवार से अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू किया है। भाकियू के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गजेंद्र सिंह गावर के नेतृत्व में दर्जनों किसानों ने ब्लाक कार्यालय से लेकर तहसील गेट तक जुलूस निकाला उसके बाद तहसील के गेट पर जमकर नारेबाजी की, और चिलचिलाती धूप में ही तहसील के गेट पर फर्श बिछा के धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया, धरने में महिलाएं भी शामिल है। धरना प्रदर्शन शुरू होने के बाद मंगलवार को ही नायब तहसीलदार पंकज यादव किसानों से वार्ता करने आये, पर किसानों ने उच्च अधिकारी से ही बात करने की कह उन्हें वापिस भेज दिया, दोपहर में तहसीलदार पवन कुमार गुप्ता भी धरना स्थल पर आये पर किसानों का कहना था कि पूर्व में दिए ज्ञापन में से कितनी समस्याओं का निस्तारण हुआ उसका हिसाब नहीं मिल जाता तब तक कोई वार्ता नहीं होगी। वहीं श्री गावर ने शाम को अनिश्चित कालीन करने की घोषणा कर दी। धरना के दूसरे दिन दैनिक भास्कर को भारतीय किसान यूनियन सुनील के राष्ट्रीय महासचिव लक्ष्मण सिंह ने बताया कि किसानों की समस्याओं को लेकर हमारा धरना चल रहा है किसानों के दाखिला खारिज में तहसील कर्मचारियों द्वारा पैसों के लेनदेन को रोकने तथा मांट ब्रांच गंगनहर में पानी छोड़ा जाय जिससे फसलों की बुबाई लेट हो रही है। किसानों को बिजली कटौती से राहत मिले। जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने में हो रहे भ्रष्टाचार को रोकने की मांग एंव चकरोड़ों पर हो रहे अवैध कब्जों को हटाने की मांग बिजली के तार टूटने से जलकर फसल बर्बाद हुई है। उसके मुआवजे की मांग ओलावृष्टि से हुए नुकसान की सही तरह से सर्वे न किया गया है उसमें हुए भ्रष्टाचार की सही तरह से जांच की जाए। धरने पर राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष गजेंद्र सिंह गावर राष्ट्रीय महासचिव चौधरी लक्ष्मण सिंह जिला अध्यक्ष मथुरा थान सिंह पहलवान तहसील अध्यक्ष मांट चरण सिंह सहित भारतीय किसान यूनियन सुनील के आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अक्षय तृतीया पर ब्रज के मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड़

● गोवर्धन में गिरिराजजी की सप्तकोसीय, बरसाना में गहवरवन, मथुरा की लगाई परिक्रमा

अक्षय तृतीया पर सफेद पोशाक में द्वारकाधीश मंदिर में प्रभु द्वारिकानाथ ने दिए दर्शन।

अक्षय तृतीया पर श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर प्रभु देवकी नंदन के मयूरी श्रृंगार के दर्शन हुए।

अक्षय तृतीया पर श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर गर्भगृह के दर्शन।

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। ब्रज के मंदिरों में अक्षय तृतीय पर्व पर आराध्य के दर्शनों को भक्तों का सैलाब आज उमड़ पड़ा। भक्तों ने जहां गोवर्धन, बरसाना, मथुरा की सूर्य की तपिश की चिंता किए बगैर परिक्रमा लगाकर दानपुण्य किए। भोर में मथुरा में यमुना जी में डुबकी लगाकर स्नान किया। वहीं गोवर्धन में मानसी गंगा, बरसाना प्रिया कुंड, वृषभानु कुंड, नंदगांव में यशोदा कुंड में स्नान किया। नगर के श्री कृष्ण जन्मस्थान, केशवदेव मंदिर में अक्षय तृतीया पर्व पर विशेष पूजा अर्चना की गई। पुष्टिमार्ग संप्रदाय के मंदिर ठाकुर द्वारिकाधीश की विधि एवं मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि मंदिर के गोस्वामी डॉ. वागिश कुमार महाराज की आज्ञा अनुसार आज अक्षय तृतीया का पर्व ठाकुर मंदिर द्वारकाधीश में राजभोग के दर्शन में प्रातः 10 बजे ठाकुर द्वारकानाथ को चंदन लगाया गया और शीतलता से संबंधित सभी सतुआ, खरबूजा, ठंडाई, शिकंजी का भोग लगाया गया। भक्तों ने मंदिर में खरबूजा, पंखा और सतुआ अर्पित किया। प्रातरूकाल से ही भक्तों का तांता लगा हुआ था और भक्त भी अपने आराध्य के दर्शन करने के लिए लालायित दिखाई दिए। गोवर्धन में भक्तों ने दानघाटी मंदिर, हरदेवजी मंदिर, गिरिराज मुकुट मंदिर मानसीगंगा, हरगोकुल मंदिर, जतीपुरा में गिरिराज मुखारबिंद मंदिर, श्रीनाथजी के दर्शन और पूजा अर्चना की। मानसीगंगा में स्नान करके परिक्रमार्थियों ने गिरिराज महाराज की सप्तकोसी परिक्रमा लगाई। श्री राधाजी की नगरी बरसाना में अक्षय तृतीया पर्व पर भक्तों ने प्रातः चार बजे से देर रात्रि तक गहवरवन की परिक्रमा लगाई। यहां के प्रिया कुंड, वृषभान कुंड, प्रेम सरवोवर गाजीपुर, गहवरकुंड चिकसौली, त्रिवेणी कूप ऊंचागांव में स्नान करके भक्तों ने मंदिरों व आश्रमों में जाकर पूजा अर्चना करके दानपुण्य किया। इस अवसर पर यहां का विश्व प्रसिद्ध लाडली जी मंदिर को दुलहन की तरह सजाया गया था। पीली पोशाक में राधा जी व श्री कृष्ण अपने भक्तों को लुभा रहे थे। नंदगांव स्थित नंदबाबा मंदिर में माता यशोदा, बाबा नंद के साथ कृष्ण बलराम के दर्शन करके भक्तों ने अपने को निहाल किया। वहीं आशेश्वर महादेव मंदिर में भोले बाबा की पूजा की गई। गोकुल, महावन, बलदेव में भी अक्षय तृतीया पर्व पर भक्तों की भीड़ लगी रही।

समस्तीपुर में मिड डे मील में निकले कीड़े ! छात्रों ने सड़क जाम कर किया हंगामा, बीडीओ ने दिए जांच के आदेश

स्वतंत्र प्रभात

समस्तीपुर में छात्रों के स्वास्थ्य और जीवन के साथ खिलवाड़ करने का बड़ा मामला सामने आया है। जिले के विभूतिपुर प्रखंड स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालय में बुधवार को छात्रों के मिड-डे मील में कीड़े मिले हैं। मिड डे मील में कीड़ा मिलने के बाद छात्र-छात्राओं ने सिंघिया घाट-हरिचक पथ पर कापन चौक के पास सड़क जाम कर दिया और जमकर प्रदर्शन किया। बताया जा रहा है कि छात्र भोजन की गुणवत्ता और समय पर न मिलने को लेकर पहले से ही नाराज थे। जब चावल में कीड़ा मिला तो उन्होंने स्कूल प्रधानाध्यापक के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान बच्चों के परिजन ने भी स्कूल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया। बच्चों का कहना है कि यह पहली बार नहीं है जब खाने में गंदगी मिली हो। इससे पहले भी कई बार मिड-डे मील में कीड़ा और अन्य अशुद्ध चीजें मिलने की शिकायत की गई थी, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

अभिभावकों ने बताया कि उनके बच्चे लगभग एक साल से खाने की शिकायत कर रहे हैं, लेकिन हर बार इसे नजरअंदाज कर दिया गया। जब स्थिति हाथ से बाहर हो गई तो बच्चों को सड़क पर उतरना पड़ा। घटना की जानकारी मिलते ही 112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और छात्रों व अभिभावकों को समझा-बुझाकर करीब दो घंटे बाद सड़क से जाम हटवाया। पुलिस की उपस्थिति में स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हुई।

इस मामले में प्रखंड विकास पदाधिकारी विभूतिपुर, चंद्र मोहन पासवान ने कहा कि बच्चों और परिजनों ने मिड-डे मील में कीड़ा मिलने की शिकायत की है। इससे पहले भी ऐसी शिकायतें आई थीं। रसोईया की सफाई में लापरवाही सामने आई है। मामले की जांच की जा रही है, दोषी पर कार्रवाई तय है। वहीं, प्रधानाध्यापक मनोज चौधरी ने पूरे मामले को साजिश करार देते हुए कहा कि मुझे बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। कुछ ग्रामीण और शिक्षक मिलकर मेरे खिलाफ षड्यंत्र रच रहे हैं।

समस्तीपुर पुलिस ने 24 घंटे के अंदर लूटकांड का किया खुलासा, लूट की राशि के साथ 3 बदमाश गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात

समस्तीपुर पुलिस ने 24 घंटे के अंदर फाइनेंस कर्मी लूट कांड का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में पुलिस ने 3 लुटेरों को गिरफ्तार किया है। साथ लूटी गई राशि में से 76 हजार रुपए भी बरामद किया गया है। यह जानकारी एएसपी संजय पांडेय ने आज प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि मंगलवार की दोपहर कर्पूरीग्राम थाना क्षेत्र के विक्रमपुर बादे गांव के पास बाइक सवार बदमाशों ने माइक्रो फाइनेंस कंपनी के कर्मी नागेंद्र कुमार से करीब 94 हजार रुपए लूट लिए थे। इस घटना की सुचना पर पहुंची पुलिस को घटना स्थल से कुछ साक्ष्य मिले थे, जिसके आधार पर पुलिस ने आगे छानबीन शुरू की। इसके बाद पुलिस ने उस साक्ष्य के आधार पर धुरलख गांव के प्रेमचंद्र कुमार उर्फ राघव को हिरासत में लिया गया। तलाशी के दौरान पुलिस को उसके पास से लूट की राशि व अन्य सामान मिले। जिसके बाद उससे पूछताछ में घटना में शामिल एक अन्य बदमाश और लाइनर का भी नाम बताया। इसके छापेमारी कर उन दोनों को भी गिरफ्तार लिया गया। इनके पास से लूट का अन्य सामान भी बरामद हुआ है।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार बदमाशों की पहचान मुफस्सिल थाने के धुरलख गांव निवासी हरिलालन पासवान के पुत्र प्रेमचंद्र कुमार उर्फ राघव, अशोक पासवान का बेटा गोलू कुमार और कर्पूरी ग्राम थाने के विक्रमपुर बादे गांव के मोहन राय के पुत्र राहुल कुमार के रूप में की गई है। इन बदमाशों के पास से लूटे गए बैग के साथ टैब, बायोमैट्रिक मशीन, 2 मोबाइल और लूट में इस्तेमाल बाइक भी बरामद किया गया है। एएसपी ने बताया कि लूटपाट के दौरान बदमाशों ने कहा कि इन लोगों के पास कोई हथियार नहीं मिला है। पूछताछ में बताया है कि इन्होंने घटना को अंजाम देने के लिए हथियार मुसरीघरारी थाना क्षेत्र के एक गिरोह से भाड़े पर लिया था। जिसे लूट के बाद भाड़े की राशि में से 15 हजार रुपए किराए के रूप में दिया गया और हथियार भी वापस कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि हथियार देने वाले गिरोह की पहचान हो गयी है। जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सपा ने बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के चित्र से आधा चेहरा काटकर उसमें अखिलेश यादव का आधा चेहरा जोड़कर उनका अपमान किया

स्वतंत्र प्रभात

हरदोई समाजवादी पार्टी द्वारा जारी किए डॉ भीमराव अंबेडकर और अखिलेश यादव के पोस्टर पर देश भर में भाजपा ने प्रतिकार कर लगाया आंबेडकर के अपमान का आरोप। नगर के अंबेडकर पार्क पर भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन के नेतृत्व में हजारों कार्यकर्ताओं ने अखिलेश यादव को भारत रत्न बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की बराबरी में दिखाने पर इसे अपमान करार देते हुए विरोध प्रदर्शन किया। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने सर्वप्रथम बाबा साहब की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि सपा ने बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के चित्र से आधा चेहरा काटकर उसमें अखिलेश यादव का आधा चेहरा जोड़कर उनका अपमान किया है। भाजपा का एक भी कार्यकर्ता बाबा साहेब का अपमान किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी।कहा, समाजवादी पार्टी कार्यालय पर भारतरत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर के आधे चित्र के साथ अखिलेश यादव का चित्र लगाकर उन्हें बाबा साहब जैसे महान व्यक्तित्व के बराबर दिखाया गया है। समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव ने हमेशा बाबा साहेब का अपमान किया है। कहा कि कन्नौज मेडिकल कॉलेज का नाम डॉ भीमराव आंबेडकर मेडिकल कॉलेज था। अखिलेश यादव को बाबा साहेब से इतनी नफरत है कि मुख्यमंत्री बनते ही बाबा साहेब का नाम हटा दिया। दलित और शोषित समाज के प्रति उनका प्यार सिर्फ वोट पाने तक सीमित है। प्रदर्शन में प्रमुख रूप से पूर्व जिलाध्यक्ष विद्याराम वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमवती नगर पालिका अध्यक्ष सुखसागर मिश्रा जिला उपाध्यक्ष एसपी मौर्य प्रीतेश दीक्षित संदीप सिंह संजय सिंह जिला महामंत्री अनुराग मिश्रा, सत्येंद्र कुमार सिंह राजपूत, कोषाध्यक्ष डॉ अनुज गुप्ता जिला मीडिया प्रभारी गणेश पाठक प्रचार मंत्री संदीप अवस्थी सह मीडिया प्रभारी परेश लोहिया सत्यम शुक्ला आईटी प्रमुख सौरभ सिंह सोशल मीडिया प्रमुख प्रद्युम्न आनंद मिश्र माधवगंज नगर पंचायत अध्यक्ष अनुराग मिश्रा गोपामऊ वली मोहम्मद, भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक नवनीत गुप्ता, आज़ाद सिंह, मण्डल अध्यक्ष देवराज सिंह, शिक्षक प्रकोष्ठ संयोजक अनुराग मिश्र, नीरज अवस्थी, पारिशा तिवारी आदि मौजूद रहे।

आज रिलीज हो रही फिल्म द भूतनी में भूत बने हैं मथुरा के दुर्गी

● संजय दत्त के साथ ब्रज कलाकार दुर्गी ने किया है अभिनय

दुर्गी भैया ने एक अच्छे घोस्ट की भूमिका निभाई है, फिल्म द भूतनी में ब्रज कलाकार दुर्गी आपको संजय दत्त के साथ नजर आएंगे।

मथुरा। बॉलीवुड मूवी द भूतनी का इंतजार कर रहे दर्शक अब फिल्म बड़ी ही आसानी के साथ देख सकेंगे। बॉलीवुड ड्रामा फिल्म द भूतनी एक मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। जिसका निर्देशन सिद्धांत सचदेव द्वारा किया गया है एवं फिल्म के निर्माता दीपक मुकुट व संजय दत्त हैं। फिल्म द भूतनी में संजय दत्त बाबा की भूमिका में नजर आएंगे। मौनी रॉय मोहब्बत की भूमिका में, सनी सिंह शांतनु की भूमिका, पलक तिवारी अनन्या की भूमिका, निक साहिल की भूमिका, आसिफ खान नासिर की भूमिका में दिखेंगे। वहीं मथुरा के कलाकार दुर्गी ने एक अच्छे भूत की भूमिका निभाई है। दुर्गी इन दिनों मुंबई में शूटिंग कर रहे हैं, उन्होंने मुम्बई से ब्रजवासियों को आग्रह करते हुए कहा है कि अधिक से अधिक लोग उनकी आगामी फिल्म द भूतनी को एक मई के दिन अपने नजदीकी सिनेमाघरों में जाकर अवश्य देखें। फिल्म द भूतनी एक हॉरर बॉलीवुड ड्रामा फिल्म है, जो आपको जमकर इंटरटेनमेंट करेगी। फिल्म में ब्रज कलाकार